राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश | राजस्थान | हरियाणा | छत्तीसगढ़ | महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17

5 अडाणी पोर्ट्स ने एक और बंदरगाह खरीदा

सम्पादकीय | मास्को में अंधाधुंध गोलीबारी का सच | भारतीय अर्थव्यवस्था की मुरीद हुई अमेरिकी रेटिंग 5

वर्ष 18 ● अंक 40 ई-पेपर के लिए लॉगइन करें -www.hindustanexpress.online | भोपाल, बुधवार 27 मार्च 2024 | email - hindustanexpressbhopal@Gmail.com, hindustanexpresshe@Gmail.com | मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

पीएम मोदी ने संदेशखाली पीड़ित भाजपा प्रत्याशी से बात की, शक्ति स्वरूपा बताया

- रेखा पात्रा ने टीएमसी नेताओं के शोषण का मुद्दा उठाया था

नई दिल्ली/कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार 26 मार्च को बशीरहाट की भाजपा उम्मीदवार रेखा पात्रा से बात की। मोदी ने रेखा को शक्ति स्वरूपा बताया। रेखा ने ही संदेशखाली में तृणमूल कांग्रेस नेताओं के यौन शोषण का मुद्दा उठाया था। मोदी ने रेखा पात्रा के चुनाव कैंपेन और उन्हें अपनी पार्टी की तरफ से दिए जा रहे समर्थन के बारे में भी जानकारी जुटाई। काफी विवाद के बाद मुख्य आरोपी टीएमसी नेता शाहजहां शेख को 29 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद टीएमसी ने भी शाहजहां को 6 साल के लिए पार्टी से बाहर कर दिया था।

मोदी की रेखा पात्रा से 9.08 मिनट चर्चा

मोदी: रेखाजी नमस्कार...

रेखा: नमस्कार प्रधानमंत्रीजी। आपका बहुत धन्यवाद।

मोदी: सबसे पहले आपका हालचाल जानना है। आप एक बड़ा दायित्व निभाने जा रही हैं। इस समय कैसा लग रहा है?

रेखा: बहुत अच्छा लग रहा है। आपका हाथ मेरे सिर पर है। आप तो संदेशखाली की महिलाओं के लिए

भगवान के समान हैं। ऐसा लग रहा है कि रामजी हमारे साथ हैं और रामजी का हाथ हमारे सिर पर है।

मोदी: सभी बहनों का हाथ मेरे सिर पर है। रेखाजी मुझे आपका संदेश मिला था। मेरी कोशिश होती है कि मैं भाजपा कार्यकर्ताओं से बात करूं। मैं जानता हूं, आप बंगाल की विपरीत परिस्थितियों में प्रचार कर रही हैं। जब आपका नाम घोषित हुआ तो क्या लगा, क्या माहौल था। आपको किन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। विस्तार से बताएं। चित्र समझना चाहता हूं।

रेखा: हमारे साथ जो दुर्घटना घटी थी, वह बहुत ही दुर्भाग्यशाली है। हम सिर्फ संदेशखाली की मां-बहन नहीं हैं। हम बशीरहाट की मां-बहने सभी एक साथ हैं। हम चाहते हैं कि संदेशखाली के आरोपी को सजा मिले। हम लोग 2011 से वोट नहीं दे पाए। हम चाहते हैं कि अब वोट दे पाएं, इससे संदेशखाली की मां-बहन खुश होंगी।

मोदी?: मुझे पूरा विश्वास है कि आपकी बात इलेक्शन कमीशन तक जरूर पहुंचेगी। सभी मतदाता मतदान कर पाएं, इसके लिए इलेक्शन कमीशन पूरी मदद करेगा। जब आपका नाम घोषित हुआ तब क्या मैसेज गया।

रेखा: सब बहुत खुश हैं। कुछ टीएमसी की महिलाओं ने इसका विरोध किया। बाद में उन्होंने भी मान लिया कि उन्होंने विरोध टीएमसी के कहने पर किया। उनसे हमारी दुश्मनी नहीं है।

मोदी: मुझे लग रहा है कि भाजपा ने आपको उम्मीदवार बनाकर बहुत बड़ा काम किया। आप चुनाव में अभी उतरी हैं और विरोधी भी आपके साथ आ गए हैं। आपके विचार सुनकर मुझे अच्छा लगा। रेखाजी मुझे पता लगा है कि बशीरहाट की महिलाएं आपको बहुत सम्मान दे रही हैं।

रेखा: मैं उनके घर की बेटी हूं। वो मेरे साथ हैं, यह सुनकर मैं बहुत खुश हूं। मुझे पूरा सपोर्ट मिलेगा तो हम उनके लिए बहुत कुछ कर पाएंगे। मैं भी गरीब घर की बेटी हूं। मेरे पति तमिलनाडु में काम करते हैं। हम सबके लिए ऐसा करेंगे कि उन्हें बाहर ना जाना पड़े।

मोदी: आप एक प्रकार से शक्ति स्वरूपा हैं। आपने इतने ताकतवार को जेल भेज दिया। आपको अंदाजा है कि आपने कितने साहस का काम किया।

रेखा- संदेशखाली की सभी महिलाओं का हमें सपोर्ट है, इसलिए हम यह कर पाए साहब। उनके सपोर्ट से आगे भी काम करेंगे। उन्हें साथ लेकर चलेंगे।

मोदी- मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मैं आपके साथ रहूंगा। व्यक्तिगत रूप से भी मैं आप सब लोगों की चिंता करूंगा। रेखाजी मुझे आपसे बात कर बहुत अच्छा लगा।

बहनें हमारी संस्कृति की रक्षक, उन्हें सशक्त बना रही डबल इंजन सरकार: डॉ. मोहन यादव

सागर। अगर हम इस बात पर विचार करें कि हमारा पुरुषार्थ क्या है, पराक्रम क्या है, आप किस संस्कृति से जुड़े हैं, हमारी पहचान क्या है, तो हमारा अतीत जुड़ता रणचंडी भवानी दुर्गा से। जब-जब भी आसुरी शक्तियों ने अपना अधिकार जमाना चाहा, तो मां दुर्गा ने महादेव को भी पीछे रखकर अपनी खड्ग उठाई और संस्कृति की रक्षा की। मां दुर्गा की तरह ही रानी लक्ष्मीबाई, रानी अवंती बाई और रानी दुर्गावती जैसी वीरांगनाओं ने भी अपने देश और संस्कृति की रक्षा के लिए दुश्मनों को धूल चटा दी। इन वीरांगनाओं ने दिखा दिया कि बहनें अपने देश और संस्कृति की रक्षा में किसी से पीछे नहीं हैं। हमारी प्रदेश सरकार ने इन बलिदानी बहनों की

स्मृति को संजोने के लिए अनेक कदम उठाए हैं, वहीं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार बहनों के सशक्तीकरण के लिए लगातार काम कर रही है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को भाई-दूज के अवसर पर सागर के बेलहरा एवं गुना के बीनागंज में आयोजित नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कही।

मातृ सत्तात्मक संस्कृति भारत की पहचान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुनिया के लिए भारत और भारत की संस्कृति यह एक बहुत बड़ा रहस्य है, आश्चर्य है। दुनिया के अन्य देशों में देश से जुड़े हुए सारी व्यवस्था पुरुषों पर ही आधारित है। लेकिन भारत की संस्कृति मातृ सत्तात्मक है। मां भगवान का साक्षात स्वरूप है, श्रद्धा और आस्था की मूर्ति है। भगवान को हमने देखा नहीं, लेकिन मां को देख लो तो भगवान के दर्शन अपने-आप हो जाते हैं। हम भारत के लोग समूची पृथ्वी को मां के रूप में देखते हैं। जिस तरह मां हमें जन्म देती है, हमें रिश्तों से जोड़ती है, उसी तरह बहनों से हमें दुलार मिलता है। हमारे माथे पर बहनों का लगाया तिलक और हाथों में बांधा जाने वाला धागा हमारी शक्ति का आधार बनता है। यह हमें दुनिया की किसी भी ताकत से लड़ने का साहस और पराक्रम देता है तथा हमारे सिर को किसी के आगे झुकने नहीं देता। इसलिए भाई-दूज पर सभी बहनों को प्रणाम करता हूं।

विदिशा के जन नेता हैं शशांक भार्गव : शिवराज सिंह चौहान

मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री ने अंगवस्त्र पहनाकर किया पार्टी में स्वागत

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद जी एवं वरिष्ठ नेता सुरेश पचौरी के समक्ष प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को विदिशा के पूर्व विधायक शशांक भार्गव, रायसेन के जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष विकास शर्मा, विदिशा नगर अध्यक्ष सुरेश मोतियानी, कांग्रेस कमेटी के ब्लाक अध्यक्ष नरेन्द्र रघुवंशी, पंचायती राज विभाग के अध्यक्ष दीवान किरार, जिला उपाध्यक्ष देवेन्द्र राठौर, नगर पालिका परिषद के पार्षद राजू दांगी, जिला उपाध्यक्ष सुनील खत्री, रायसेन के युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष विक्की भदौरिया, युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष सौरभ मीना, युवा कांग्रेस के रमन मेहरा, कृष्ण

प्रदेश कार्यालय में विदिशा के कांग्रेस के पूर्व विधायक शंशाक भार्गव के साथ कई वरिष्ठ नेता सहित नर्मदापुरम, नरसिंहपुर एवं रायसेन के पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियां ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की

विश्वकर्मा शामिल हुए। साथ ही नर्मदापुरम संसदीय क्षेत्र से जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष बीनू बुधौलिया, जिला कार्यकारी अध्यक्ष शिवराज चंद्रोल, नरसिंहपुर जिले के करेली के पूर्व प्रदेश सचिव संजीव मिश्रा, हेमरा सरपंच मुरलीधर पटेल, तेन्दूखेडा कांग्रेस प्रवक्ता सुनील मोदी, तेन्दूखेडा के ब्लॉक सेवादल अध्यक्ष कांत मोदी, तेन्दूखेडा आईटी सेल अध्यक्ष नयन मोदी, कांग्रेस कमेटी के रायसेन जिला महामंत्री संतोष समेले, जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व महामंत्री एडव्होकेट श्याम कुमार चांडक, कांग्रेस के प्रदेश सचिव बलवीर चौहान ने भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के विकास कार्यों से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश अध्यक्ष ने अंगवस्त्र पहनाकर उनका स्वागत किया।

विदिशा के जन नेता हैं शशांक भार्गव - शिवराज सिंह चौहान

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि शशांक भार्गव जननेता हैं। विदिशा में भार्गव कांग्रेस का नेतृत्व करने वाले और पार्टी के सबसे सशक्त चेहरा थे। वे वहां से पांच बार चुनाव लड़े। अलग-अलग दलों से हम विदिशा में चुनाव लड़ते रहे, लेकिन मित्र भी रहे हैं।

अमेरिका के मैरीलैंड में जहाज टकराने से ब्रिज ढहा

श्रीलंका जा रहा था कार्गो शिप, कई लापता

मैरीलैंड। अमेरिका के मैरीलैंड में एक कार्गो जहाज के टकराने से फ्रांसिस स्कॉट की ब्रिज का एक हिस्सा ढह गया। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, घटना अमेरिकी समयानुसार रात करीब डेढ़ बजे हुई। पुल से टकराने के बाद जहाज में आग लग गई और वह डूब गया। सिंगापुर के झंडे वाला यह जहाज श्रीलंका की राजधानी कोलंबो जा रहा था। इसे रवाना हुए कुछ ही समय हुआ था। यह 22 अप्रैल को श्रीलंका पहुंचने वाला था। जहाज का नाम दाली बताया जा रहा है। पुल ढहने की वजह से इस पर मौजूद कई गाड़ियां भी पानी में गिर गईं। अधिकारियों ने कहा कि 7 लोगों को रेस्क्यू करने की कोशिश की जा रही है। अब तक यह साफ नहीं हो पाया है कि पुल पर कितने लोग मौजूद थे और वे अब किस स्थिति में हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, मैरीलैंड ट्रांसपोर्टेशन अथॉरिटी ने बताया कि ब्रिज पर हादसे के बाद सभी लेन बंद कर दी गई हैं

महाकाल के गर्भगृह में आग, पुजारी समेत 14 झुलसे

भस्म आरती के दौरान भड़की आग, सीएम बोले- घायलों को 1-1 लाख रु. देंगे

उज्जैन। उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में सोमवार सुबह 5.49 बजे भस्म आरती के दौरान गर्भगृह में आग लग गई। इसमें पुजारी समेत 14 लोग झुलस गए। घायलों में 9 को इंदौर रेफर किया गया है। 3 को उज्जैन जिला अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, 2 भर्ती हैं। हादसे के समय मंदिर में हजारों श्रद्धालु महाकाल के साथ होली मना रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री के बेटे वैभव और बेटी आकांक्षा भी नंदी हॉल में मौजूद थे। घायल सेवक ने बताया कि आरती कर रहे पुजारी संजीव पर पीछे से किसी ने गुलाल डाला। गुलाल दीपक पर गिरा। अनुमान है कि गुलाल में कोई केमिकल ऐसा था, जिससे आग भड़क गई। गर्भगृह में लगी चांदी की परत को रंग-गुलाल से बचाने के लिए फ्लैक्स लगाए गए थे। इसमें भी आग लग गई। कुछ लोगों ने फायर एक्सटिंग्विशर से आग पर काबू पर पाया। 6 साल पहले भी महाकाल मंदिर में होली पर इसी तरह की घटना हो चुकी है। तब एक पुजारी झुलस गए थे।

सिनेमा विचारों और अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है: विस अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह

पर्दे पर जीवंत हुई वीर सावरकर की वीरता और बलिदान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। होली के बाद आज पर्दे पर स्वातंत्र वीर सावरकर के बलिदान को देखकर युवा अभिभूत हो गए। अवसर था केशरबाग पीवीर आर में वीर सावरकर फिल्म के प्रदर्शन का।

मप्र विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर की अगुआई में ग्वालियर के युवा और गणमान्यजन रणदीप हुड्डा की चर्चित फिल्म वीर सावरकर देखने पहुंचे। फिल्म के विषय ने पूरे समय दर्शकदीर्घा को भारतमाता के जयकारों के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर मध्यांतर में फिल्म के विषय में विधानसभा नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि बदला हुआ समय हमें आज साफ नजर आता है। आज हम लोग सिनेमा के माध्यम से आजादी

के महान नायकों को याद कर रहे हैं ये कितनी अच्छी और सुंदर बात है। सिनेमा विचारों और अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। स्वातंत्र वीर सावरकर जी ने अंग्रेजी हुकुमत को अपनी वीरता और शौर्य से हिलाकर रख दिया था। अंडमान जेल में कालापानी की सजा सहते हुए उन्होंने देश के लिए सर्वस्व न्यौछावर और बलिदान का प्रेरक विचार हम सबको दिया है। सावरकर हमारे आजादी के आंदोलन के अमर नायक हैं जिनके जीवन को आज आज हम सब इस फिल्म के माध्यम से साकार होते हुए देख रहे हैं जो बहुत ही अविस्मरणीय अनुभव है। इस अवसर पर पूर्व सांसदद्वय जयभान सिंह पवैया, प्रभात झा, भाजपा जिलाध्यक्ष अभय चौधरी, अरूण तोमर, राकेश माहौर, वेदप्रकाश शिवहरे, धर्मेंद्र तोमर (बिट्टू) सहित भाजपा के नेतागण, जनप्रतिनिधि, गणमान्यजन एवं युवा मौजूद थे।

कलचुरी समाज के अभियंता कुलपाल जायसवाल का सड़क दुर्घटना में निधन, अनेक लोगों ने शोक जताया

–हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज–
मिर्जापुर। कल्चुरी समाज के वरिष्ठ कार्यकर्ता अभियंता कुलपाल जायसवाल मिर्जापुर निवासी की गत दिवस सड़क दुर्घटना से मौत हो गई। समाज के अनेक लोगों ने इस दुःख की घड़ी में ईश्वर से प्रार्थना की है कि वे मृतात्मा को शांति प्रदान करें। उनके आकस्मिक निधन पर शोक जताया है। शोक व्यक्त करने वालों में लालचंद गुप्ता, बीरेंद्र राय, शंभू नाथ जायसवाल, सुबोध जायसवाल, सूरज जायसवाल, शीशपाल अहलूवालिया, बसंत बाबू, वेद कुमार, राजीव कुमार जायसवाल, संजीव जायसवाल, रमेश जायसवाल, मनोज जयसवाल, संजय कलवार, दिनेश जयसवाल, माता प्रसाद जयसवाल, पर्मिला राय, चंद्रप्रकाश शिवहरे, राकेश जयसवाल, मुन्नालाल जयसवाल, प्रदीप जयसवाल आदि शामिल हैं।

यहां यह बताना आवश्यक होगा कि स्व. श्री जायसवाल सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में हमेशा हर वक्त सहयोग के लिए खड़े रहे। आज हम सबको छोड़ प्रभुलोक के प्यारे हो गए। वे 75 वर्ष के थे। उनके परिवार में दो बेटा, एक बेटी, नाती, पोता भरा-पूरा परिवार है। कलचुरी परिवार में इनका हमेशा सहयोग रहा है।

'दबंगी मुलगी आई रे आई' में अंकुश 2.0 में शानदार बदलाव के लिए मानव गोहिल ने कम किया 4 किलो बजन

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के हाई-ऑक्टेन ड्रामा, 'दबंगी - मुलगी आई रे आई' ने हाल ही में 14 साल का लीप लिया है। इस शो नेदर्शकों को एक वयस्क आर्य के इर्द-गिर्द घूमती दिलचस्प कहानी से बांधे रखा है, जो अपनी मां और बाबा की मौत का हिसाब सत्या सेचुकाने की उम्मीद करती है। चल रहे ट्रैक में, आर्य (रचना मिस्त्री) आगामी सीएम चुनावों में सत्या (आमिर दलवी) और कस्तूरी (हिमानी चावला) को सत्ता में आने से रोकने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है। इसके अलावा, आर्या और युग (राहुल सुधीर) के रास्तेलगातार मिलते रहते हैं, और वे खुद को क्रूर गुंडों द्वारा फंसा हुआ पाते हैं, जिसकी परिणति एक भयानक पल में होती है जब आर्य कोगोली लग जाती है। खैर, अंकुश की वापसी के साथ ड्रामा और तेज हो गया है, जो अब पूरी तरह से बदल चुका है और जब आर्या कोगोली लगती है तो वह उसे बचाता है।

आकर्षक मानव गोहिल एक गतिशील वापसी करते हैं, खुद को रहस्यमय अंकुश 2.0 में बदल लेते हैं। एक पूर्व पुलिस अधिकारीअपने भाई सत्या से बदला लेने के लिए, आर्य को मोहरे के रूप में इस्तेमाल करते हुए, भयावह हो गया। लीप के बाद अंकुश काकिरदार उसे अंधेरे को गले लगाते हुए, अपने भावनाहीन आचरण और आश्चर्यजनक रूप से नए रूप के साथ अच्छे और बुरे के बीचधुंधली रेखाओं को निडरता से पार करते हुए देखेगा।

अंकुश 2.0 के बारे में बात करते हुए, मानव गोहिल कहते हैं, 'अंकुश 2.0 अब मुख्य रूप से एक बदला हुआ व्यक्ति है। 14 साल पहलेहुई इस घटना ने उन्हें अंदर तक झकझोर कर रख दिया है और उन्हें एक कड़वा इंसान बना दिया है। उसके अतीत ने उसे यह एहसास कराया कि जब वह धर्मी और कानून का पालन करने वाला था, तो उसे जीवन में बहुत कुछ नहीं मिला और उसने अपना सब कुछ खोदिया। इसलिए, वह बहुत आहत हुआ है और भावनाहीन हो गया है, और अपने परिवार सहित अपने आस-पास के लोगों के प्रतिअसंवेदनशीलता दिखा रहा है। वह केवल बदला लेने और अपने भाई सत्या को उसके गलत कामों की कीमत चुकाने के लिए जीताहै।'

एक ग्रे किरदार को निभाने के बारे में अपनी उत्तेजना व्यक्त करते हुए, मानव ने आगे कहा, 'एक अभिनेता के रूप में, नई भूमिकाएँ तलाशना खुशी की बात है, खासकर जब चरित्र में भारी बदलाव होता है। दर्शकों ने अंकुश को एक अच्छे पुलिस अधिकारी के रूप मेंपसंद किया है, लेकिन अब वह दुष्ट हो गया है और उसका यह नया संस्करण पेश करना कुछ ऐसी बात है जिससे मैं वास्तव में रोमांचित हूं। अंकुश 2.0 के लिए, मैंने खुद पर काम किया है जहां मैंने 4 किलो वजन कम किया है लेकिन किरदार के लिए मांसपेशियां हासिल की हैं। पहले वाले अंकुश और अब के व्यक्तित्व में बहुत बड़ा अंतर है, अब वह दाढ़ी के साथ रफ लुक में नजर आएंगे। रचनाकारों ने किरदार को अच्छी तरह से उकेरा है और मुझे उम्मीद है कि मैं इसके साथ न्याय कर पाऊंगा। अंकुश की दोबाराएंट्री हर किसी को हैरान कर देगी, जिससे आर्य सहित लोग इन सभी वर्षों में उसके ठिकाने के बारे में आश्चर्यचकित हो जाएंगे। इस नए लुक में बिल्कुल जवानी वाली फीलिंग है (हंसते हुए)। सेट पर भी लोग कहते हैं कि उन्हें मेरा लुक पसंद है; और बहुत से प्रशंसकों काकहना है कि यह लुक जवान में शाहरुख खान के जैसा है।'

देखिए 'दबंगी मुलगी आई रे आई'हर सोमवार से शुक्रवार रात 8:00 बजे, सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर!

सीसीपीए और एएससीआई ने भारत में विज्ञापनों के नियमों को सख्ती से लागू करने के लिए साझेदारी की

इस कदम से भ्रामक और झूठे विज्ञापनों पर रोक लगने और विज्ञापनों के नियम लागू करने में मदद मिलने की उम्मीद है

–हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज–
भोपाल। उपभोक्ता मामलों के विभाग (डीओसीए) और भारतीय विज्ञापन मानक परिषद (एएससीआई) दोनों उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने के समान लक्ष्य को हासिल करने के लिए काम करते हैं। एएससीआई और केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) दोनों के मिशन का केंद्रीय तत्व भ्रम फैलाने वाले, गुमराह करने वाले और झूठे दावे करने वाले विज्ञापनों के मामले में उपभोक्ता के हितों का संरक्षण करना है।

गौरतलब है कि विज्ञापन के क्षेत्र में एएससीआई के कोड और उससे जुड़े दिशानिर्देश केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) की कई गाइडलाइंस से तालमेल रखते हैं। इसमें गुमराह करने वाले विज्ञापनों, डार्क पैटर्न, विज्ञापनों के प्रसार में शामिल सेलिब्रिटीज, कोचिंग संस्थाओं, किसी प्रॉडक्ट के इस्तेमाल से स्वच्छ पर्यावरण को बढ़ावा मिलने के झूठे दावे और अन्य मामलों से संबंधित दिशा-निर्देश शामिल हैं। एएससीआई और सीसीपीए की भागीदारी में सीसीपीए ने यह पहचान की है कि एएससीआई की किसी संहिता का उल्लंघन संभावित रूप से उपभोक्ता संरक्षण कानून 2019 और उससे संबंधित दिशानिर्देशों का उल्लंघन भी हो सकता है।

इसलिए सीसीपीए ने एएससीआई से किसी भी ऐसे गुमराह करने वाले विज्ञापनों को उचित कार्रवाई के लिए उसके पास आगे भेजने का अनुरोध किया है, जो एएससीआई के कोड का पालन नहीं करते और इनसे संभावित रूप से उपभोक्ता संरक्षण कानून 2019 और उससे संबंधित गाइडलाइंस का उल्लंघन हो सकता है। एएससीआई की ओर से उठाए गए झूठे दावे करने वाले विज्ञापनों पर सीसीपीए द्वारा उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के प्रावधानों के अनुसार सख्ती से प्रभावी कार्रवाई की जाएगी।

विज्ञापनों के क्षेत्र में, खासतौर से डिजिटल विज्ञापनों की बढ़ती जटिलता के बीच यह भागीदारी काफी महत्वपूर्ण हो गई है। उपभोक्ता मामलों के विभाग के सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा, ''एएससीआई कोड और सीसीपीए की गाइडलाइंस विज्ञापनों में तालमेल पारदर्शिता और निष्पक्षता को बढ़ावा देने के सामूहिक प्रयास को उभारती है। सीसीपीए और एएससीआई समान लक्ष्यों के साथ यह सुनिश्चित करने के लिए पूरक तरीकों से काम कर सकते हैं कि किसी भी तरह के उल्लंघन से प्रभावी तरीके से सख्ती से निपटा जाए। डिजिटल विज्ञापनों से नई चुनौतियां सामने आई हैं। डिजिटल विज्ञापन की रफ्तार से तालमेल रखने के लिए समान विचारधारा वाले निकायों के बीच सहयोग की जरूरत है। इस क्षेत्र में नियामकों का स्वनियामकों के साथ मिलकर काम करना एक बेहतरीन तरीका है, जो अब स्थापित हो चुका है। हमें उम्मीद है कि इस भागीदारी से भारतीय विज्ञापनों का नियमन और प्रभावी होगा। जिन विज्ञापनों के प्रचार और प्रसार में सीसीपीए की गाइडलाइंस का स्वैच्छिक रूप से पालन नहीं हो रहा है और जो विज्ञापनदाता इन दिशा-निर्देशों का बार-बार उल्लंघन कर रहे हैं, उन पर सीसीपीए को जुर्माना लगाने या उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने का अधिकार है। हम जरूरत के मुताबिक उपभोक्ता संरक्षण कानून के प्रावधानों को लागू करने से पीछे नहीं हटेंगे।''

एएससीआई की महासचिव और सीईओ मनीषा कपूर ने कहा, ''हमें उपभोक्ता मामलों के विभाग (डीओसीए) और केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) के साथ कई मुद्दों पर आपसी भागीदारी से काम कर रहे हैं। हम इस संबंध को और गहरा और मजबूत बनाकर वाकई काफी खुशी हो रही है। भारतीय विज्ञापन मानक परिषद (एएससीआई) को विज्ञापनों के नियमन में गहरी विशेषज्ञता हासिल है। हम सीसीपीए और डीओसीए को उनके विश्वास और सहयोगी रवैये के लिए धन्यवाद देते हैं। मजबूत स्वनियमन की व्यवस्था सभी हितधारकों की मदद करती है और यह भागीदारी स्वनियमन को अगले स्तर तक ले जाने का सकारात्मक कदम है।''

हाल ही में डीओसीए और एएससीआई ने विज्ञापनों से संबंधित कई मुद्दों पर संयुक्त रूप से विचार-विमर्श और भागीदारी की है। इनमें किसी सेलेब्रिटी की ओर से किए जाने वाले विज्ञापनों के प्रचार और प्रसार की गाइडलाइंस बनाना, स्वच्छ पर्यावरण के झूठे दावे रखने वाले विज्ञापनों को नियंत्रित करने, ग्राहक को गुमराह कर खरीदारी के ऑफर देने, सरकारी नियमों के तहत प्रतिबंधित विज्ञापनों, जैसे सिगरेट और शराब के मामले में उसी कंपनी के किसी मिलते-जुलते प्रॉडक्ट का विज्ञापन (सरोगेट एडवरटाइजिंग) जैसे कई मुद्दे शामिल थे। इससे इन मुद्दों पर इंडस्ट्री, नागरिक समाज के प्रतिनिधियों और नियामकों को गहन विचार-विमर्श करने और आपसी तालमेल बनाने का मौका मिला। दुनिया भर में विज्ञापनों के स्वनियामक औपचारिक और अनौपचारिक तरीके से सरकार के साथ सह-नियमन के मॉडल के तहत काम करते हैं। आजकल विज्ञापनों की जटिल दुनिया और इंटरनेट पर सीमाओं की बंदिश न होने से किसी रेगुलर कंटेंट पर क्लिक करने से किसी दूसरे अनचाहे प्रॉडक्ट के विज्ञापन जबरन उपभोक्ताओं को दिखाने, डीपफेक और घोटालों के मामले सामने आ रहे हैं। इस तरह के माहौल में विज्ञापनों के प्रभावी ढंग से नियमन के लिए ऐसी भागीदारी काफी अहमियत रखती है।

क्या 'कुछ रीत जगत की ऐसी है' में नंदिनी को अपनाने के पीछे हेमराज का कोई छिपा हुआ एजेंडा है?

कई उतार-चढ़ावों के बीच, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के 'कुछ रीत जगत की ऐसी है' में दिखाया जा रहा है कि नरेन (ज़ान खान) का परिवार जब नंदिनी (मीरा देवस्थले) के साथ उसके रिश्ते को अस्वीकार कर देताहै तो वो निराश हो जाता है। जैसे ही वह अमेरिका जाने की तैयारी करता है, उसके पिता हेमराज (धर्मेश व्यास) उसे जीवन बदलने वाला यह कदम उठाने से रोकने का प्रयास करते हैं लेकिन नरेन अपने फैसले परअटल है।

हालांकि, घटनाओं के मोड़ में, वही हेमराज, जो नरेन और नंदिनी के रिश्ते के खिलाफ था, उनके मिलन को स्वीकार कर लेता है, जिससे परिवार खुशी और भ्रम के बीच बंट जाता है। एक तरफ, नरेन का परिवार इसखबर का जश्न मनाता है और दूसरी तरफ, नंदिनी की मामी (सेजल झा) को संकेत मिलता है कि हेमराज केदिमाग में कुछ और योजना चल रही है। अब बड़ा सवाल ये बना हुआ है कि क्या नंदिनी को अपनाने के पीछे हेमराज का कोई छिपा हुआ एजेंडा है?

कहानी के बारे में बात करते हुए, एक्टर धर्मेश व्यास कहते हैं, 'हेमराज हमेशा परिवार को समझने, अपनेपरिवार और बच्चों को सहजता से प्रभावित करने में माहिर रहे हैं। वो ऐसे इंसान हैं जो किसी भी भावनात्मक लगाव से दूर रहकर हर चीज को पूरी तरह से एक व्यापारिक सौदे के रूप में देखता है। उसके लिए, यह सबलेन-देन पर बने रिश्ते के बारे में है। जब नंदिनी की बात आई तो हेमराज ने नरेन की कमजोरी को पहचाना और उसके प्रति उसके गहरे स्नेह को देखा। इसलिए, जब नरेन ने अमेरिका जाने का फैसला किया, तो हेमराज ने समझा कि उसे आगे बढ़ने की जरूरत है। नरेन को जाने से रोकने के लिए नंदिनी को गले लगानामहज एक सोचा-समझा कदम था।'

देखिए कुछ रीत जगत की ऐसी है, हर सोमवार से शुक्रवार रात 8:30 बजे, सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर

विश्व रंगमंच दिवस का उत्सव: सोनी सब के कलाकारों ने अपने रंगमंच के दिनों को याद किया

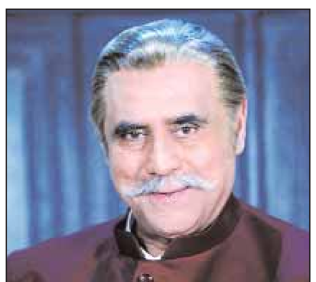
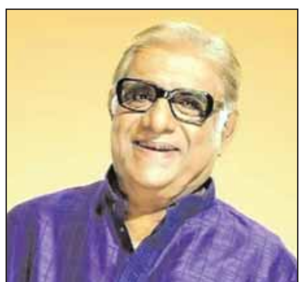

मनोरंजन की दुनिया में, रंगमंच कलात्मक अभिव्यक्ति का स्तंभ है, जो रचनात्मकता, जुनून और कहानी के लिए एक मंच प्रदान करता है। विश्व रंगमंच दिवस पर, सोनी सब के कलाकार, जिन्होंने मंच पर अपनी प्रतिभा और समर्पण का प्रदर्शन किया है, अपने अनुभवों को याद करते हैं। उनके अनुभव स्क्रीन पर उनके प्रदर्शन को बेहतर बनाते हैं और हमारे जीवन में रंगमंच के स्थायी प्रभाव को उजागर करते हैं।

पुष्पा इम्पॉसिबल में बापोद्रा की भूमिका निभाने वाले जयेश बरभाया ने कहा, 'रंगमंच मेरे लिए वाकई महत्वपूर्ण रहा है। इससे मुझे न केवल एक अभिनेता के रूप में, बल्कि एक व्यक्ति के रूप में भी विकसित होने में मदद मिली। इसने मुझे ऐसी जगह दी जहां मैं नई चीजों को आज़मा सकता था और अपने मूल में बने रह सकता था। मैं अपने डर को दूर कर सका और ज्यादा आश्वस्त हो सका। रंगमंच हमें उन चीजों को देखने के विभिन्न नज़रिये दिखाता है जिनके बारे में हमने पहले कभी नहीं सोचा होगा। इसने मुझे इंसान होने के बारे में बहुत कुछ सिखाया। हर नाटक, हर किरदार और हर एहसास ने मुझे बेहतर अभिनेता बनाया है। मेरा मानना है कि जब हम किसी बात पर अमल करें तो उन्हें सबसे अच्छी तरह से समझ सकते हैं। रंगमंच लोगों के साथ महत्वपूर्ण संदेश साझा करने का शानदार तरीका है।'

आंगन अपनों का में जयदेव शर्मा की भूमिका निभाने वाले महेश ठाकुर ने कहा, 'मंच पर अभिनय करना, लाइव दर्शकों की स्वाभाविक और उत्साही उपस्थिति में, वह अवसर है जहां कहानी बताने का सार स्क्रिप्ट में जान फूंक देता है। रंगमंच का जादू अनूठा है। यह वह जगह है जहां हर एहसास, हर भाव, और हर शब्द को भव्य बनाया जाता है, जो इसे देखने वालों के दिलों तक पहुंचता है। विश्व रंगमंच दिवस पर, आइए अभिनेता और दर्शकों के बीच के इस गहरे रिश्ते का जश्न मनाएं, क्योंकि यह कनेक्शन स्क्रीन और डिजिटल दूरी की बाधाओं को दूर करता है। यह थिएटर की स्वाभाविक ऊर्जा में है जहां सच्ची कलात्मकता को चुनौती दी जाती है और उसे संजोया जाता है।'

वागले की दुनिया में श्रीनिवास वागले की भूमिका निभाने वाले अंजन श्रीवास्तव ने कहा, 'रंगमंच के साथ मेरा गहरा और स्थायी रिश्ता है। अपने विविधतापूर्ण करियर के बावजूद, मैं अभी भी इस पर काम करता हूं, और अपनी आखिरी सांस तक रुकने की मेरी कोई योजना नहीं है। रंगमंच मेरे जुनून को बढ़ाता है, मेरी रचनात्मकता और उत्साह को बढ़ाता है। दर्शकों की उपस्थिति मुझे आगे बढ़ने की ऊर्जा देती है, और मैं उस काम में शामिल होने के हर दुर्लभ मौके का लाभ उठाता हूं, जिससे मुझे दिल से प्यार है। कोई व्यक्ति बदले में बिना कुछ लिए बहुत कम चीजें कर सकता है, लेकिन रंगमंच मुझे संतुष्टि, उद्देश्य और मेरी कला और मेरे दर्शकों दोनों के साथ गहरा संबंध देता है।'

वंशज में दादाबाबू की भूमिका निभाने वाले पुनीत इस्सर ने कहा, 'मुझे हमेशा से रंगमंच से प्यार रहा है। यह मेरा जुनून है और हमेशा रहेगा। मैं अपने नाटकों, अपने टीवी शो वंशज, और फिल्मों के बीच झूलता रहता हूं। मुझे अपने नाटकों, खासकर 'महाभारत' के साथ पूरे भारत का टूर करना पसंद है। इससे मुझे कई तरह के थिएटर-प्रेमी दर्शकों से बातचीत करने का मौका मिलता है। ऑडिटोरियम में गूंजने वाली दर्शकों की तालियां किसी भी रंगमंच कलाकार के बहुत करीब होती हैं और इससे हम जोश से भर जाते हैं। ऐसा कोई ज्ञान, कला, बुद्धि या कर्म नहीं है, जिसे रंगमंच पर न दिखाया जा सके। रंगमंच का अनुभव अभिनेता को आगे बढ़ने में मदद करता है। यह किसी भी अभिनेता के लिए सर्वश्रेष्ठ प्लेफील्ड है।'

ज्योतिष पर आधारित निजी मार्गदर्शन को लेकर मेलूहा की सोच ने शार्क टैंक इंडिया 3 में रोमांच बढ़ाया

भोपाल। ज्योतिष-विज्ञान कई सदियों से लोगों के बीच जिज्ञासा का विषय रहा है। अब तो ज्योतिष-विज्ञान के ऐप्स की बाढ़ आई हुई है। ऐसे में व्यक्तिगत भविष्यफल एवं ज्योतिष से जुड़ी जानकारियाँ पाना बेहद आसान हो गया है। इस डिजिटल जमाने में भी ज्योतिष के लिये आकर्षण बना हुआ है, क्योंकि मेलूहा जैसे प्लेटफॉर्म्स ज्योतिष तक पहुँच और उसकी विश्वसनीयता को नई परिभाषा देने की कोशिश कर रहे हैं। विक्रम लाभे और बालचंद्र पाटिल द्वारा संस्थापित मेलूहा ज्योतिष का बेहद-निजी और एआई से चलने वाला प्लेटफॉर्म है। यह भाषा और अलग-अलग जगहों के समय की बाधाओं को तोड़कर अपने यूजर्स को वास्तविक समय का, सटीक एवं भरोसेमंद मार्गदर्शन देता है। मेलूहा अब शार्क टैंक इंडिया 3 में आ रहा है। वह ऐसे भविष्य का सपना देख रहा है, जिसमें ज्योतिष-विज्ञान न केवल मान्यता पर आधारित एक प्रणाली बने, बल्कि अपनी जिंदगी में स्पष्टता और दिशा की तलाश कर रहे लोगों के लिये एक भरोसेमंद मार्गदर्शक भी हो। शार्क टैंक इंडिया में मिले अनुभव पर बात करते हुए, मेलूहा के संस्थापक एवं सीईओ विक्रम लाभे ने कहा, ''शार्क टैंक इंडिया सीजन 3 में आना मेलूहा के लिये एक महत्वपूर्ण अवसर था। हमें सोनीलिव के माध्यम से लाखों लोगों को अपना विजन दिखाने के लिये एक अभूतपूर्व मंच मिला। ज्योतिष-विज्ञान को लेकर शंका होना आम है, लेकिन शार्क टैंक ने धैर्य पर हमारे विश्वास को मजबूती दी है। इस अनुभव ने न सिर्फ मेलूहा की यात्रा को एक नया मोड़ दिया है, बल्कि निजी तौर पर मेरे विकास को भी प्रभावित किया है। अब मैं एक मजबूत और स्पष्ट उद्यमी बन गया हूँ। शार्क टैंक और सोनीलिव को धन्यवाद!'' इस प्लेटफॉर्म के अनोखे फीचर्स किसी व्यक्ति के जन्म के विवरण के आधार पर तैयार सलाह देते हैं। मेलूहा की मार्गदर्शक डॉ. विनीता फाटक हैं, जो कि एक जानी-मानी ज्योतिषविद और इस क्षेत्र में पीएच.डी. भी हैं। इस प्लेटफॉर्म का लक्ष्य है ज्योतिष एवं आध्यात्म की दुनिया में विश्वसनीयता की समस्या को दूर करना। यूजर्स इस प्लेटफॉर्म पर कई भाषाओं में उपलब्ध वास्तविक समय की जानकारियाँ, दैनिक मार्गदर्शन ले सकते हैं और कॉम्पैटिबिलिटी की जाँच कर सकते हैं। पिच के दौरान विक्रम लाभे ने डॉ. विनीता फाटक के साथ अपनी निजी भेंट के बारे में भी बताया। उन्हीं की सोच से मेलूहा का जन्म हुआ था। इसके अलावा, शार्क विनीता सिंह ने ज्योतिष-विज्ञान पढ़ने के लिये मिली प्रेरणा के बारे में बताया कि यह डॉ. फाटक की भविष्यवाणी से ही हुआ था। विनीता ने बताया कि डॉ. फाटक ने उनके पति को एक महत्वपूर्ण स्थिति के लिये तैयार रहने को कहा था। इसके बाद ही उनकी बेटी को नियोनेटल इंटेंसिव केयर यूनिट (एनआईसीयू) में भर्ती किया गया था। ज्योतिष एवं आध्यात्म की दुनिया में क्रांति के लिये अपने विचार से सभी को प्रभावित करने के बावजूद पिचर्स शार्क टैंक इंडिया 3 में कोई डील नहीं कर पाये। हालांकि, अपने ब्राण्ड को आगे बढ़ाने के लिये उनकी लगन जारी है।शार्क टैंक इंडिया 3 में मेलूहा का पिच देखें, सिर्फ सोनी लिव पर!

स्वस्थ रहें-मस्त रहें।

स्वस्थ रहें- मस्त रहें वाक्य बहुत ही सकारात्मक ऊर्जा पैदा कर एक अच्छी भावना पैदा करता है। इससे एक व्यक्ति को अवश्य ही खुशी का एहसास होता है। इस समाज में सारे बच्चे शारीरिक रूप से स्वस्थ पैदा नहीं होते हैं। इससे यह साफ होता है कि जो व्यक्ति आज शारीरिक रुप से स्वस्थ है, वह बचपन में भी स्वस्थ जन्म लिया होगा। ऐसे सभी व्यक्ति भाग्यवान है, जो इस धरा पर पूर्णतया शारीरिक रुप से स्वस्थ रहकर अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं। किसी का अपंग पैदा होना या मानसिक बीमारी के साथ पैदा होना मनुष्य के हाथ में नहीं है। इसके पीछे बहुत से कारण हैं, जो जन्म देने वाली महिला, उसके खान-पान के तरीके, मानसिक स्थिति, वातावरण, घर का माहौल इत्यादि पर निर्भर करते हैं। आज के इस प्रतिस्पर्धा के युग में स्वस्थ व्यक्ति ही ज्यादा बीमारियों के शिकार हो रहे हैं, क्योंकि वे व्यक्ति पूरी नींद नहीं ले पा रहे हैं। जिसका सीधा असर शरीर के अंगों पर पड़ रहा है और कहीं ना कहीं दिमागी बीमारियों जैसे चिन्ता, भूलने की आदत, डिप्रेशन आदि को बढ़ावा मिल रहा है। किसी भी व्यक्ति के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को बनाये रखने में सामाजिक सम्बन्धों तथा भावनात्मक पहलूओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका है।

शारीरिक स्वास्थ्य का मतलब मांसपेशियों तथा हडडियों का ठीक होना ही नहीं है। जिसको स्वस्थ रखने के लिए हम अपनी फिटनेस पर जोर देते हैं, वजन को नियन्त्रण में रखते हैं तथा शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत रखते हैं। लेकिन इस सब के अलावा शरीर में दिमाग भी होता है, जो कि मनुष्य की शारीरिक व मानसिक स्थिति को समय-समय पर बताता रहता है। मानसिक स्थिति ठीक ना होने से शारीरिक स्वास्थ्य ठीक रखना सम्भव नहीं है। क्योंकि दिन भर का कार्य, अनेक प्रकार की चिन्ताएँ, दुनिया भर का बोझ, दिमागी स्थिति को हिला देता है, जिसका सीधा-सीधा असर हमारे शरीर के अंगों पर पड़ता है तथा ऐसी स्थिति में स्वस्थ रहना सम्भव नहीं है। मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए, चिन्ता कम करना, तनाव का प्रबंधन करना, अपने आप को ऊर्जावान बनाये रखना तथा अच्छी नींद लेकर अपने शरीर तथा दिमाग को रिलेक्स रखना बहुत ही आवश्यक है। समाज में प्रत्येक मनुष्य अपने आप को शारीरिक तथा मानसिक रूप से स्वस्थ रखने के लिए प्रयत्नशील रहता है। इसमें समाज के व्यक्तियों तथा वातावरण का अच्छा-खासा प्रभाव पड़ता है। एक मनुष्य को समाज के अन्य व्यक्तियों के साथ चलने के लिए सामाजिक समन्वय की बहुत ही आवश्यकता है। साथ ही नये मित्र बनाकर अपने आप को समाज से जोड़कर रखने तथा समाज में अपनी पहचान बनाये रखने की भी आवश्यकता है। तभी एक व्यक्ति समाज में शारीरिक तथा मानसिक रुप से स्वस्थ रहकर अपने तथा समाज के लिए कार्य कर सकता है। उपरोक्त सभी चीजों के अलावा, एक और भी महत्वपूर्ण कारक जो मनुष्य को किसी भी स्थिति से बाहर निकलने में सकारात्मक शक्ति प्रदान करता है तथा वह अपने कार्य सही तरीके से कर, सफलता की सीढी की तरफ बढ़ता जाता है, वह मनुष्य का आत्मविश्वास है। आत्मविश्वास, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य तथा सफलता की एक शक्तिशाली कुंजी है, जो कि प्रत्येक व्यक्ति के पास होना अत्यन्त आवश्यक है। आत्मविश्वास से मनुष्य अपने जीवन में स्वास्थ्य के साथ साथ सफलता की सीढी चढ़ता चला जाता है और उसकी दिन दोगुनी रात चौगुनी तरक्की होती रहती है। इस तरक्की से मनुष्य का मन सकारात्मक ऊर्जा से ओतप्रोत रहता है साथ ही पारिवारिक एवं सामाजिक सम्बन्धों पर भी अच्छा प्रभाव पड़ता है और व्यक्ति के जीवन में उत्साह रहता है तथा तनाव से भी दूर रहता है।

आप सभी जानते हैं कि लगातार तनाव, मानसिक और शारीरिक बीमारियों का घर है। इसलिए मानसिक तनाव का प्रबन्धन अति आवश्यक है। जो व्यक्ति इस तनाव का प्रबन्धन करने में समर्थ एवं सक्षम है, वही व्यक्ति जीवन में सफलता की ऊंचाईयों को प्राप्त कर सकता है। एक व्यक्ति मस्त तभी रह सकता है. जब वह शरीर से स्वस्थ हो। सकारात्मकता एवं शारीरिक स्वास्थ्य ही मस्त रहने की कुजी है जिसे इच्छाशक्ति के साथ उपरोक्त वर्णित तरीकों से आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहने से मनुष्य अपने जीवन में विकास के रास्ते पर अग्रसर रहता है. जो अवश्य ही परिवार की समृधि और देश के विकास में सहयोगी है। अतः सभी प्राणी स्वस्थ रहें, और मस्त रहे तथा अपने विकास के साथ-साथ देश के विकास में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करें।

लेखक- इन्दराज सिंह
ई-मेल: indrajsingh03@yahoo.com

सुम्बुल तौकीर खान कहती हैं, '9 महीने के लीप के साथ, दर्शक देखेंगे काव्या का रीबूट संस्करण!'

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन की मनमोहक कहानी, 'काव्या- एक जज़्बा, एक जुनून' में काव्या के बहनोई, ओमी की मौत के साथ शो में एक हाई पॉइंट देखा गया है। गिरिराज की सौतेली माँ बड़ी अम्मा एक साजिश रचती हैं, जिसकी वजह से एक दुर्घटना में ओमी की मौत हो जाती है, जबकि काव्या कोमा में है, लेकिन प्रधान परिवार को लगता है कि काव्या ने अपनी बहन नव्या की मौत का बदला लेने के लिए ओमी को मार डाला। जब काव्या अंततः कोमा से बाहर आती है, तो उसे पता चलता है कि ओमी की मौत के लिए उस पर लगे हत्या के आरोप के कारण उसे आईएएस अधिकारी के रूप में उसकी भूमिका से निलंबित कर दिया गया है और उसका प्रिय आदि अब उससे नफरत करता है, क्योंकि उसका मानना है कि उसने ओमी को मार डाला है। इस गहन ट्रैक के बारे में बात करते हुए, एक्टर सुम्बुल तौकीर खान कहती हैं, 'अब तक, दर्शकों ने काव्या के जीवन के हर चरण के उतार-चढ़ाव भरे सफर को देखा है और वह कैसे अपनी सूझबूझ से हर स्थिति से निपटती है। 9 महीने के लीप के साथ, दर्शक काव्या का नया रूप देखेंगे, जो पहले से ज्यादा बेबाक और ज्यादा साहसी है। जो कुछ भी उसका है, उसे वापस पाने का उसका दृढ़ संकल्प उसे अजेय बना देगा! हर स्थिति आपको कुछ न कुछ सिखाती है; काव्या ने यह सब सहा है, लेकिन उसने हमेशा सही काम किया है। आगामी एपिसोड में, दर्शक काव्या का सफर देखेंगे, जहाँ वे एक आईएएस अधिकारी के रूप में बहाल होने के साथ-साथ आदि का प्यार और विश्वास हासिल करने का इरादा रखती है।' देखिए 'काव्या- एक जज़्बा एक जुनून', हर सोमवार से शुक्रवार शाम 7:30 बजे, सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर।

पुलिस लाइन में रंग-गुलाल में रंगे अफसर, एसपी ने सुनाई कविता

ग्वालियर। रंग उत्सव होली पर 24 घंटे की ड्यूटी करने के बाद मंगलवार को पुलिस लाइन में अफसरों ने पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर जमकर होली खेली। पुलिस अफसर होली के रंगों में सराबोर रहे। पुलिस लाइन में होली खेलते अफसर व जवानों का हुड़दंग देखने लायक था। इस दौरान होरी खेले रघुवीरा अवध में होरी खेले रघुवीरा गाने पर एएसपी, सीएसपी, डीएसपी सहित महिला पुलिस अफसर जमकर थिरकीं। हर कोई पुलिसकर्मी होली के रंग और उत्साह में रंगा नजर आ रहा था।

यहां उल्लेखनीय है कि ग्वालियर सहित पूरे मध्य प्रदेश में पुलिस वालों ने होली के दूसरे दिन मंगलवार को होली मनाई। होली के त्योहार पर पुलिस ने 24 घंटे शहर की सड़कों पर राउंड द क्लॉक ड्यूटी की थी। पुलिस का उद्देश्य किसी भी तरह की घटनाओं को रोकना और आमजन को सुख चैन से होली उत्सव मनाने के लिए तैनात किया गया था। पुलिस अफसर व जवान होली के अगले दिन पड़वा या दौज पर पुलिस लाइन में होली मनाते हैं। इसी क्रम में धुलेंडी के दूसरे दिन मंगलवार को पुलिस अफसरों ने होली समारोह का आयोजन किया। एसपी धर्मवीर सिंह ने समारोह की शुरुआत कविता सुनाकर की। इसके बाद अधिकारियों ने एक दूसरे को रंग और गुलाल लगाए तो वहां पूरा माहौल होली के रंग में रंग गया। होली के स्पेशल सॉन्ग पर पुरुष और महिला पुलिससकर्मी नाचते और झूमते नजर आए। पुलिसकर्मियों ने जमकर धमाल मचाया। इस दौरान सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने खूब रंग गुलाल उड़ाया। महिला पुलिस अधिकारी व पुलिसकर्मी भी रंग-गुलाल के साथ होली मनाते हुए नजर आई।

इस मौके पर पुलिस अफसरों व जवानों ने अपने गीत गाने, कविता पाठ करने व नाचने का हुनर दिखाया। पुलिस लाइन में होली के हुड़दंग को लेकर आरआई लाइन ने सभी इंतजाम काफी अच्छे किए थे। पुलिस अफसरों और जवानों के लिए अलग-अलग व्यवस्था की गई थी। पड़ाल में आईजी, डीआईजी, एसपी, एडिशनल एसपी, सीएसपी, डीएसपी व थाना प्रभारियों के लिए होली खेलने के इंतजाम थे, जबकि उसके बाद जवानों के लिए। होली मनाने पहुंचे जवान रंग बरसे, होरी खेले रघुवीरा अवध में होरी खेले रघुवीरा, होली आई रे होली आई आदि गानों पर जमकर थिरके। इनके ऊपर फायर ब्रिगेड की वॉटर केनन से पानी की बौछार की गई। जिसके बाद माहौल और भी होली व रंग का हो गया था।

नकदी एवं ज्वेलरी का प्रमाणित प्रमाण होने पर जप्ती की कार्यवाही नहीं की जाए: चेम्बर

ग्वालियर। आदर्श आचरण संहिता की अवधि में यदि किसी व्यापारी, उद्योगपति द्वारा 50 हजार से ज्यादा नकदी एवं स्वर्ण कारोबारियों द्वारा व्यापार के उद्देश्य से ज्वेलरी लेकर आवागमन किया जाता है और चैकिंग के दौरान व्यापारी, उद्योगपति द्वारा प्रमाणित साक्ष्य उपलब्ध कराया जाता है तब उनकी नकदी एवं माल की जप्ती नहीं किए जाने के संबंध में मध्यप्रदेश चेम्बर ऑफकॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री द्वारा ग्वालियर अंचल के जिलाधीश एवं पुलिस अधीक्षकगणों के साथ ही जीआरपी मध्यप्रदेश को जप्ती की कार्यवाही नहीं किए जाने के निर्देश प्रसारित करने के संबंध में पत्र लिखा है।

मध्यप्रदेश चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण अग्रवाल, संयुक्त अध्यक्ष हेमंत गुप्ता, उपाध्यक्ष डॉ. राकेश अग्रवाल, मानसेवी सचिव दीपक अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव पवन कुमार अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष संदीपनारायण अग्रवाल ने बताया कि मध्यप्रदेश सहित पूरे देश के अंदर आदर्श आचरण संहिता लागू है और ऐसे में किसी भी व्यक्ति के पास 50 हजार से ज्यादा नकदी होने पर पूछताछ करने एवं प्रमाण न होने पर उस राशि को प्रमाण आने तक जप्त किए जाने की कार्यवाही की जाती है। पदाधिकारियों ने बताया कि हमारे द्वारा यह अनुरोध पत्र पूर्व के अनुभवों के आधार पर प्रेषित किया गया है जिसमें कई बार ऐसा देखने में आया है कि किसी व्यापारी, उद्योगपति जिनके पास 50 हजार से ज्यादा नकदी है और उसका प्रमाण भी उनके पास है तब भी वह राशि जप्त की गई थी जो बहुत सारी औपचारिकताओं के बाद वह व्यापारी, उद्योगपति को वापिस मिली जिसमें समय भी लगा और मानसिक प्रताड़ना भी हुई। वहीं सर्राफा कारोबारियों का माल पंजीकृत कोरियर कंपनी के माध्यम से आ रहा था, जिसे मुरैना की अल्लाबेली चौकी पर रोका गया और उस माल का बीमा, जीएसटी बिल साथ होने के बावजूद भी वह माल रिलीज कराने में लगभग डेढ माह का समय लग गया। उसी दौरान सोने के दामों में भारी गिरावट होने से उन स्वर्ण कारोबारियों को काफी नुकसान का सामना करना पड़ा और आर्थिक एवं मानसिक प्रताड़ना के बाद वह माल मुक्त हुआ। इसके अलावा कई बार ऐसा भी हुआ है कि अगर कोई सर्राफा कारोबारी अपने व्यापार के उद्देश्य से गोल्ड ज्वेलरी के सेम्पल लेकर जा रहा है और उसका बिल साथ है एवं व्यापारी होने का प्रमाण भी उसके पास है, उसके बाद भी वह माल जप्त किया गया।

पदाधिकारियों ने पत्र में उल्लेख किया है कि आचार संहिता लगभग 80 दिन रहने वाली है और यही समय शादी-ब्याह का सीजन का समय है, ऐसे में व्यापारिक गतिविधियां तेज होती हैं और यदि सारे प्रमाण के बाद मात्र वाहवाही के लिए ऐसी कार्यवाही की गई तो चैकिंग दल को तो वाहवाही मिल जायेगी लेकिन व्यापार जगत को अपूर्णनीय क्षति होगी। हमारे द्वारा अपने व्यापारियों एवं उद्योगपतियों से भी अपील की गई है कि यदि वह नकदी को लेकर आवागमन कर रहे हैं तब 50 हजार से ज्यादा नकदी होने पर उसका एवं अपने व्यापारी होने का प्रमाण लेकर चलें और सर्राफा कारोबारियों से भी अपील की गई है कि वह यदि अपने व्यापार के उद्देश्य से गोल्ड ज्वेलरी लेकर चल रहे हैं तब उसके भी प्रमाणित प्रमाण लेकर चलें। चेम्बर ऑफकॉमर्स ने पत्र के माध्यम से मांग की है कि चौकिंग दल को स्पष्ट निर्देश दिए जाएं कि यदि कोई व्यक्ति अपने व्यापारी, उद्योगपति होने का प्रमाण देता है, साथ ही नकदी एवं ज्वेलरी होने का प्रमाणित साक्ष्य देता है तब ऐसी अवस्था में जप्ती की कार्यवाही नहीं की जाये, जिससे व्यापारिक जगत को होने वाली अपूर्णनीय हानि को रोका जा सके और व्यापारी, उद्योगपति तथा शासन-प्रशासन के मध्य सद्भावना स्थापित रह सके और व्यापार एवं उद्योग सुगम रूप से चल सके।

श्री काशी बाबा सरकार का मेला 29 व 30 को

- लगभग 1000 किग्रा घी से भण्डारा प्रसादी बनेगी

ग्वालियर । प्रजापति समाज के आराध्य देव श्री काशी बाबा सरकार का दो दिवसीय वार्षिक मेला समारोह का आयोजन 29 व 30 मार्च को आयोजित होगा। इस मेला समारोह में हजारों श्रद्धालुजन शामिल होते हैं। जिसको लेकर श्री काशी बाबा के मेला समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। मेला समारोह में लगभग 1000 किग्रा घी से भण्डारा प्रसादी बनेगी। मेला का बेहतर संचालन के लिये उपसमितियां भी बनाई गई है।

श्री काशी बाबा देवस्थान न्यास के महामंत्री जवाहर प्रजापति ने बताया कि लगभग 5 शतक पूर्व से प्रजापति समाज के आराध्य देव श्री काशी बाबा देव सरकार का मेला समारोह समाज के लोगों के द्वारा होता आ रहा है। उन्होंने बताया कि श्री काशी बाबा की समाधि स्थल पर समय काल परिवर्तन होते गये वहां पर श्रद्धालुओं के लिये सुविधाएं भी निरंतर बढ़ती गई। उन्होंने बताया कि महिला श्रद्धालुओं को

कोई असुविधा न हो इसके लिये अच्छा स्नानागार और शौचालयों की व्यवस्था भी की गई है। न्यास के महामंत्री जवाहर प्रजापति ने बताया कि इस दो दिवसीय मेला समारोह में युवाओं के शौष्ठव प्रदर्शन भी करते है इसके लिये वे पुरानी नाल उठाकर अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करते है। उन्होंने बताया कि मेला समारोह में भजन मंडली, ढोला मंडली, कन्हैया भजन के गायक संभाग भर से आकर रात्रि और दिन में अपनी प्रस्तुतियां देते है।

उन्होंने बताया कि 29 व 30 मार्च को आयोजित दो दिवसीय मेला में शामिल होने के लिये श्रद्धालु भक्तजन 28 मार्च की रात्रि से पहुंचना प्रारंभ कर देते है। सभी श्रद्धालुजन चतुर्थी की सुबह से पूजन अर्चन प्रारंभ करते है तथा चतुर्थी की रात में जागरण होता है। तथा पंचमी को होली का आयोजन होता है। चतुर्थी एवं पंचमी को घी से निर्मित भंडारे का आयोजन दोनों दिवस होता है।

अग्रवाल महासभा के होली मिलन समारोह संपन्न

ग्वालियर। श्री अग्रवाल महासभा द्वारा सोमवार को जीवायएमसी क्लब प्रांगण में आयोजित होली मिलन समारोह में जमकर रंग गुलाल उड़ा, वहीं देर रात्रि तक चली भजन संध्या में मनोज शर्मा ग्रुप ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया।

कार्यक्रम में महिला एवं अग्रबंधुओं ने रंग एवं गुलाल से होली खेली। कार्यक्रम संयोजक आनंद अग्रवाल रंगवाला ने बताया कि शाम होने पर खाटू श्याम का दरबार सजाकर जोत जलाई गई।

जिसमें हजारों की संख्या में अग्र बंधुओं ने पूजन दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर प्रसिद्ध भजन गायक मनोज शर्मा, रजनी शर्मा एवं अतुल पारिख ग्रुप ने भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में विधायक मोहन सिंह राठौड़, देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर रामू, महासभा के अध्यक्ष अशोक गोयल, उपाध्यक्ष रवि गुप्ता, महामंत्री नरेंद्र सिंहल, कार्यक्रम संयोजक आनंद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष महेंद्र अग्रवाल, रवि गर्ग, अरविंद दूदावत, नारायण बृजवासी, सतीश अग्रवाल, संदीप सांघी, संजीव अग्रवाल कुक्कू, मोहन गर्ग, संजय सिंहल, ओमप्रकाश अग्रवाल, मनोज गोयल, सुरेश बंसल, दीपक जैन आदि मौजूद रहे।

स्लोगन तथा रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन

श्योपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री लोकेश कुमार जांगिड के निर्देशानुसार तथा स्वीप नोडल एवं सीईओ जिला पंचायत श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर के मार्गदर्शन में शासकीय महाविद्यालयों में स्वीप गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में पीजी कॉलेज श्योपुर तथा गर्ल्स कॉलेज श्योपुर में स्लोगन एवं रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन कर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया गया।

पीजी तथा गर्ल्स कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा रंगोली बनाकर मतदान का संदेश दिया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ विपिन शर्माए डॉ एसएन शर्माए प्रो अरविंद दोहरेए प्रो लोकेन्द्र सिंह जाट तथा प्रो ज्योत्सना मेघवालए प्रोफेसरगण विनीता डाबरए रेखा सोलंकीए पूनम गीदए डॉ परवीन वर्मा ने विद्यार्थियो को प्रेरित किया। स्लोगन में गर्ल्स कॉलेज में कृष्ण प्रजापति ने प्रथमए गीता प्रजापति ने द्वितीय तथा रोशनी जाटव ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। पीजी कॉलेज में पहला स्थान सरिता वर्मनए दूसरा स्थान संयुक्त रुप से जतिन शिवहरे तथा विशाल सुमनए तीसरा स्थान भी संयुक्त रुप से नीतेश तथा रविशंकर प्रजापति ने प्राप्त किया।

रंगोली प्रतियोगिता में पीजी कॉलेज में सरिता वर्मन तथा रीना सुमन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा दूसरा स्थान प्रतिभा एवं राजेन्द्र राठौर एवं रविशंकर को मिला। जबकि तीसरे स्थान पर जतिन शिवहरे एवं पूजा जाटव रहें। इसी प्रकार गर्ल्स कॉलेज से गीता प्रजापति और रोशनी जाटव ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया। डॉ एसएन शर्मा ने बताया कि इन प्रतियोगिताओ से विद्यार्थियो की रचनात्मक प्रतिभाएँ विकसित होती है। वही उनके व्यक्तित्व का विकास भी होता है।

भाजपा के मंडलों में मंडल सम्मेलन आज

ग्वालियर । भारतीय जनता पार्टी द्वारा आज 27 मार्च को 17 ग्वालियर दक्षिण विधानसभा के सभी मंडलों में मंडल सम्मेलन का आयोजन किया गया है। सम्मेलन में सांसद विवेक नारायण शेजवलकर, मध्य प्रदेश के केबिनेट मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा तथा जिलाध्यक्ष अभय चौधरी उपस्थित रहेंगे।

जिला मीडिया प्रभारी नवीन चौधरी ने बताया कि स्वामी विवेकानंद मंडल का मंडल सम्मेलन प्रातः 11 बजे से शिखा वाटिका कंपू पर, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी मंडल का मंडल सम्मेलन दोपहर 12 बजे से किडीज कॉर्नर स्कूल नया बाजार पर, पं. अटल विहारी वाजपेयी मंडल का मंडल सम्मेलन दोपहर 1.30 बजे तेरापंथी धर्मशाला नई सड़क लश्कर पर, शहीद हेमू कालाणी मंडल का मंडल सम्मेलन दोपहर 3 बजे से आराधना गार्डन लक्ष्मीगंज पर एवं गुप्तेश्वर महादेव मंडल का मंडल सम्मेलन शाम 4 बजे से मुरली गार्डन गोल पहाड़िया चौराहा पर आयोजित होगा।

आज मनेगी भाईदूज, बहने करेगी भाइयों को तिलक

ग्वालियर। होली के बाद द्वितीय तिथि को भाईदूज कहा जाता है। पारंपरिक रूप से यह पर्व भाई-बहन के बीच स्नेह के बंधन को मजबूत करता है। भाई दूज के दिन बहनें अपने भाई के माथे पर तिलक लगाती हैं और फल, मिठाई आदि चीजें देकर उसकी लंबी आयु की कामना करती हैं। वहीं भाई भी बदले में अपनी बहन को हर विषम परिस्थिति में उसकी रक्षा का वचन देता है। मान्यता है कि भाई दूज पर बहनों के तिलक लगाने से भाई की आयु बढ़ती है और उसके सभी संकट दूर होते हैं। पंचांग के अनुसार चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि की शुरुआत 26 मार्च को दोपहर 2 बजकर 55 मिनट पर हो गई है। आज 27 मार्च को शाम 05 बजकर 06 मिनट पर इसका समापन होगा। भाई को टीका करने के लिए दो शुभ मुहूर्त हैं। होली भाई दूज पर भाई को तिलक करने का पहला मुहूर्त सुबह 10.54 से दोपहर 12.27 है। जबकि दूसरा मुहूर्त दोपहर 3.31 से शाम 5.04 बजे तक रहेगा।

मीडिया प्रतिनिधियों को मिलेगी पोस्टल बैलेट से मतदान की सुविधा

ग्वालियर । एसेंसियल सर्विसेज (अनिवार्य सेवाएँ) में शामिल चार विभागों एवं ऐसे मीडिया प्रतिनिधि जिन्हें भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदान दिवस के दिन मतदान प्रक्रिया के कव्हरेज के लिये अधिकृत किया है, उन्हें पोस्टल बैलेट (डाक मत पत्र) के माध्यम से मताधिकार की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी है। साथ ही निर्देश दिए हैं कि वे अनिवार्य सेवा में शामिल विभाग के सभी शासकीय सेवकों की जानकारी तीन दिवस के भीतर जिला निर्वाचन कार्यालय को भेजें, जिससे उन्हें पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान की सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, चिकित्सा शिक्षा, गृह विभाग (अग्निशमन सेवाएँ) व ऊर्जा विभाग को एसेंसियल सर्विसेज में शामल किया है। साथ ही ऐसे मीडिया प्रतिनिधि जिनके लिये भारत निर्वाचन आयोग द्वारा वोटिंग के दिन मतदान प्रक्रिया कवर करने के लिये अधिकृत किया गया है, उन्हें भी डाक मत पत्र से वोट डालने की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी।

स्टार प्रचारकों को शर्तों के साथ आवंटित होंगे विश्राम गृह

ग्वालियर। लोकसभा आम निर्वाचन के दौरान चुनावी प्रचार के लिये आने वाले विशेष श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त विभिन्न राजनैतिक दलों के स्टार प्रचारकों को जिले के विश्राम गृह शर्तों के साथ आवंटित किए जायेंगे। इस कड़ी में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने विश्राम गृह आवंटन के नियम व शर्तें निर्धारित कर दी है। विश्राम गृह का आवंटन पहले आओ पहले पाओ के आधार पर आवंटित किया जायेगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती चौहान द्वारा जारी किए गए आदेश में स्पष्ट किया है कि विश्राम गृह आरक्षित कराने के लिये स्टार प्रचारकों के आगमन की तारीख व कार्यक्रम का विस्तृत ब्यौरा देकर अपर जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय में आवेदन करना होगा। साथ ही लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्धारित विश्राम गृह का किराया लोक निर्माण विभाग खण्ड-1 के कार्यालय में अनिवार्य रूप से जमा कराना होगा। यह व्यय प्रत्याशी को अपने लेखे-जोखे में शामिल करना होगा। विश्राम गृह में चुनाव से जुड़ी बैठक राजनैतिक गतिविधियाँ व किसी प्रकार की प्रेस वार्ता आयोजित किए जाने पर प्रतिबंध रहेगा।

पेड न्यूज एवं फेक न्यूज पर रहेगी मीडिया सेल की नजर

विज्ञापन से पहले एमसीएमसी कमेटी से लेना होगा सर्टिफिकेशन

श्योपुर । लोकसभा निर्वाचन.2024 अंतर्गत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री लोकेश कुमार जांगिड की अध्यक्षता में एमसीएमसी कमेटी का गठन किया गया है। इसके साथ ही मीडिया सेल भी गठित की गई है। मीडिया सेल के नोडल अधिकारी सीईओ जिला पंचायत श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर को बनाया गया है। आचार संहिता के साथ ही मीडिया सेल की कार्यवाही शुरू हो गई हैए यह मीडिया सेल 24 घंटे कार्यरत हैए जिसके तहत प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया पर पेड एवं फेक न्यूज पर निगरानी रखी जा रही हैए सभी राजनैतिक दलों एवं प्रत्याशियों को इलेक्ट्रोनिक चैनल्स तथा टेलीविजन पर विज्ञापन के लिए एमसीएमसी कमेटी से पूर्व प्रमाणन लेना होगा। निर्वाचन से एक दिन पहले और एवं अन्य प्रचार माध्यमों पर भी नजर किसी की छवि को धूमिल करनाए

निर्वाचन के दिन अपील जारी करने के लिए एमसीएमसी कमेटी से सर्टिफिक्रेट प्राप्त करना होगा। पेड न्यूज के मामलों में कमेटी द्वारा जनसंपर्क विभाग से निर्धारित विज्ञापन दरो के अनुसार व्यय लेखा में काउंटिग की जायेगी। इसके साथ ही सोशल मीडिया रखी जायेगी। फेक न्यूज के मामलो में निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कमेटी द्वारा कार्यवाही की जायेगी। इसी प्रकार विभिन्न प्रिटर्स को मुद्रक एवं प्रकाशक का नाम तथा प्रसार संख्या मुद्रित करना अनिवार्य होगा। गलत सूचनाएं फैलानाए दुष्प्रचार करनाए गलत नेरेटिव बनानाए अफवाह फैलाना आदि फेक न्यूज की श्रेणी में माने जायेगे। इसी प्रकार पेड न्यूज की श्रेणी में ऐसी खबरे आयेगीए जिसका संबंधित राजनैतिक दल अथवा प्रत्याशी अपने पक्ष में लाभ लेने का कार्य करेगा।

निगम अमले ने हटाया अवैध अतिक्रमण

ग्वालियर। नगर निगम के मदाखलत अमले ने मंगलवार को अस्थाई अतिक्रमण हटाकर रोड साफकराई। मदाखलत अधिकारी शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि नगर निगम के मदाखलत अमले द्वारा मंगलवार को होटल सुरुचि के सामने बने मुख्य मार्ग पर खड़े यातायात मे बाधक हाथ ठेलो, लकडी की टटियाओ बान्स एव अन्य अस्थाई अतिक्रमण को दल (पूर्व) द्वारा हटवाया गया एव टटियाए इत्यादि जप्त कर मदाखलत कार्यालय हुरावली रोड़ डी.बी सिटी के सामने स्थित कार्यालय पर भिजवायी गयी।

असुविधा से बचने के लिए शीघ्र करें अपना जलकर एवं संपत्तिकर जमा

ग्वालियर। शहर के सभी जलकर उपभोक्ता नल कनेक्शन विच्छेदन की असुविधा से बचने के लिए शीघ्र अपना बकाया जलकर जमा करें, इसके साथ ही जिन संपत्तिकर दाताओं का संपत्तिकर बकाया है वह भी शीघ्र अपना संपत्ति कर जमा कर कुर्की की कार्रवाई से बचें।

आयुक्त नगर निगम हर्ष सिंह ने शहरवासियों से आग्रह किया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष का अंतिम माह चल रहा है। इसको दृष्टिगत रखते हुए सभी जलकर एवं संपत्तिकर दाता समय पर अपने कर जमा कर शहर विकास में सहयोग करें तथा किसी भी प्रकार की असुविधा से बचे। आयुक्त सिंह ने बताया कि पिछले दिनों ऑफ्लाइन के माध्यम से भी विभिन्न प्रकार के कर जमा कर रसीद काटी गई है। जिसमें तकनीकी खराबी के कारण जलकर की अनेक रसीद अपडेट नहीं हो पाई है जिसके कारण वर्तमान जल कर के साथ ही उनका पुराना जलकर भी दिखा रहा है, ऐसे उपभोक्ता अपने पुराने जलकर जमा की रसीद दिखाकर वर्तमान जलकर जमा कर सकते हैं। नगर पालिका निगम के पोर्टल पर वर्तमान में सुधार का कार्य चल रहा है, कार्य पूर्ण होते ही स्वत ही समस्या का निदान हो जाएगा।

तरण पुष्कर में तैराकी के लिए आज से भरे जायेंगे आवेदन

ग्वालियर। नगर निगम ग्वालियर द्वारा संचालित स्विमिंग पूल तरण पुष्कर में नया सत्र आगामी 5 अप्रैल से प्रारंभ हो रहा है इसके लिए आवेदन आज 27 मार्च से सुबह 11 बजे शाम 4 बजे तक भरे जाएंगे। सहायक नोडल अधिकारी खेल अयोध्या शरण शर्मा ने बताया कि नगर निगम ग्वालियर द्वारा संचालित तरण पुष्कर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 5 अप्रैल से नवीन सत्र प्रारंभ किया जा रहा है, इस हेतु तैराकी करने के इच्छुक शहर वासी अपने आवेदन भर कर जमा कर सकते हैं। आवेदन पहले आओ पहले पाओ के तहत जमा किए जाएंगे, सीटे फुल होने पर आवेदन जमा करने बंद कर दिए जाएंगे।

संपादकीय

मास्को में अंधाधुंध गोलीबारी का सच

22 मार्च की रात मास्को के क्राकस सिटी हाल में एक समारोह की शुरुआत के ठीक पहले कुछ आतंकियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें कम से कम एक सौ पंद्रह लोगों की जान चली गई और भारी संख्या में लोग घायल हो गए। मरने वालों में कई बच्चे भी हैं। मास्को में हुए आतंकी हमले से एक बार फिर यही रेखांकित हुआ है कि तमाम दावों और उपायों के बावजूद आतंकवाद दुनिया की सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है। दरअसल, आतंकियों ने रूस की राजधानी में हमला कर अपनी मौजूदगी जाहिर की है। गौरतलब है कि शुक्रवार रात मास्को के क्राकस सिटी हाल में एक समारोह की शुरुआत के ठीक पहले कुछ आतंकियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें कम से कम एक सौ पंद्रह लोगों की जान चली गई और भारी संख्या में लोग घायल हो गए। मरने वालों में कई बच्चे भी हैं। अभी यूक्रेन और रूस के बीच पिछले करीब दो वर्ष से युद्ध चल रहा है, इसलिए एक स्वाभाविक आशंका है कि यह हमला इसी की कड़ी हो सकता है। मगर यूक्रेन ने इस हमले में अपना हाथ होने से इनकार किया, वहीं खबरों के मुताबिक वैश्विक स्तर पर एक खौफनाक आतंकी संगठन माने जाने वाले इस्लामिक स्टेट ने इस गोलीबारी की जिम्मेदारी ली। अब आगे की व्यापक पड़ताल के बाद ही पता लगाया जा सकेगा कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है और उसका मकसद क्या था।

हैरानी है कि रूस के जिन इलाकों को सबसे सुरक्षित माना जाता रहा है, वहां भी आतंकियों ने बर्बर हमला करके एक तरह से बड़ी चुनौती पेश की है। इस संदर्भ में अमेरिका का कहना है कि उसने रूस में ऐसे हमले की आशंका जताई थी, लेकिन लगता है कि रूस ने उस पर गौर नहीं किया। पिछले कुछ दशकों में दुनिया ने जिस तरह के आतंकवाद देखा है, उसके मद्देनजर अगर कहीं से केवल आशंका ही जाहिर की जाती या खुफिया सूचना मिलती है तो उसके बाद सावधानी बरतने की जरूरत है, ताकि शायद किसी आतंकी हमले को रोका जा सके। आतंकवादी संगठनों की कार्यशैली से दुनिया परिचित है कि उनका मकसद सिर्फ मानवता के विरुद्ध आतंक फैलाना है, भले इसके लिए अनगिनत निर्दोष लोगों, यहां तक कि मासूम बच्चों का भी कत्लेआम करना पड़े। असली चुनौती सरकारों के लिए है कि वे तमाम संसाधनों और सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद ऐसे आतंकी हमलों को रोक पाने में कैसे चूक जाती हैं। आतंकवाद को खत्म करने के लिए वैश्विक स्तर पर ठोस और साझा प्रयास की जरूरत है।

होलियाना चिंतनः विश्वगुरु की होली; एक ओर 'चार सौ के पार' वाले रंगों की बौछार है, दूसरी ओर आपसी 'रार'

होली के रंग हैं, होली की भंग है, तरंग है! सत्ता के पास 'गुलाल' है, विपक्ष के पास सिर्फ 'मलाल' है, इसीलिए उसकी बिगड़ी चाल है! एक ओर 'एनडीए' की पिचकारी है, दूसरी ओर 'इंडी' की लाचारी है। एक ओर 'चार सौ के पार' वाले रंगों की बौछार है, दूसरी ओर आपसी 'रार' है, 'तकरार' है और 'कन्फ्यूजन' की 'भरमार' है। एक के पास 'फिर एक बार, मोदी सरकार', 'इस बार चार सौ पार' का राग है, तो दूसरे के पास सिर्फ खिसियाहट का 'झाग' है! साढ़े पांच सौ साल बाद एनडीए के 'रघुवीरा' के हाथ में पिचकारी आई है और वे अपने लाखों-करोड़ों भक्तों से रोज होली खेल रहे हैं।

एक ओर 'एनडीए' की पिचकारी है, दूसरी ओर 'इंडी' की लाचारी है। एक ओर 'चार सौ के पार' वाले रंगों की बौछार है, दूसरी ओर आपसी 'रार' है, 'तकरार' है और 'कन्फ्यूजन' की 'भरमार' है। एक के पास 'फिर एक बार, मोदी सरकार', 'इस बार चार सौ पार' का राग है, तो दूसरे के पास सिर्फ खिसियाहट का 'झाग' है! नाव का रीजन है। होली का सीजन है। होली के रंग हैं, होली की भंग है, तरंग है! सत्ता के पास 'गुलाल' है, विपक्ष के पास सिर्फ 'मलाल' है, इसीलिए उसकी बिगड़ी चाल है! एक ओर 'एनडीए' की पिचकारी है, दूसरी ओर 'इंडी' की लाचारी है। एक ओर 'चार सौ के पार' वाले रंगों की बौछार है, दूसरी ओर आपसी 'रार' है, 'तकरार' है और 'कन्फ्यूजन' की 'भरमार' है। एक के पास 'फिर एक बार, मोदी सरकार', 'इस बार चार सौ पार' का राग है, तो दूसरे के पास सिर्फ खिसियाहट का 'झाग' है! साढ़े पांच सौ साल बाद एनडीए के 'रघुवीरा' के हाथ में पिचकारी आई है और वे अपने लाखों-करोड़ों भक्तों से रोज होली खेल रहे हैं। सदियों से विस्थापित रघुवीरा अपने मंदिर में स्थापित हो चुके हैं। ईर्ष्या-द्वेष व नफरत रूपी 'होलिका' अपनी ही आग में जल चुकी है और 'प्रह्लाद' रूपी भक्त जलने से बच गए हैं और सब मिलकर होली गा रहे हैं-आज अवध में होरी रे रसिया...आज बिरज में होरी रे रसिया...होली खेले रघुवीरा अवध में होली खेले रघुवीरा...हुरियारे गा रहे हैं। नाच रहे हैं। खुशी के 'मंजीरे' और 'चंग' बज रहे हैं, मोदी की 'भंग' का 'रंग' चढ़ रहा है। एक ओर रघुवीरा और नंदलाल होली खेल रहे हैं, दूसरी ओर तरह-तरह के छंदलाल, फंदलाल और धंधलाल होली खेल रहे हैं। रघुवीरा और नंदलाल के पास विकास की पिचकारी है, रंग है, भंग है, चंग है, बजाने का ढंग है, लेकिन छंदलाल, फंदलाल और धंधलालों के पास न रंग है, न चंग है, न बजाने का ढंग है, न पिचकारी है...ऐसी लाचारी है! रघुवीरा नंदलाल एक से एक 'रंग' मारते हैं, लेकिन छंदलाल सिर्फ 'रंग में भंग' डालते हैं! एक 'भिगोता' है, दूसरा 'रोता' है! यह होली सनातन है, सनातन के रंग हैं, चंग है, ढंग है, लेकिन छंदलालों की होली 'बदरंग' है! एक दस साल से 'रंग' खेल रहे हैं, दूसरे दस साल से 'तंग' फील कर रहे हैं। छंदलालों के लिए होली 'हिंदू' है, 'हिंदुत्व' है, 'कम्यूनलिज्म' है, 'तानाशाही है, फासिज्म है, जबकि बाकी के लिए होली भारत का

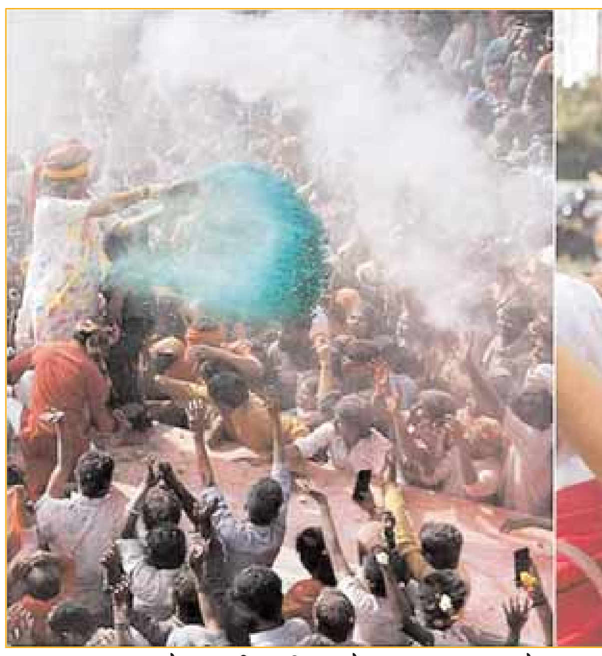

'कल्चरल जनतंत्र' है, बराबरी का विधान है, समानता का अनुष्ठान है और एक परंपरागत सांस्कृतिक वितान है, जिसमें मोदी के विकास की लंबी तान है, मोदी का 'फ्यूचरिस्टिक गान' है, जो मोदी की 'आन' है, 'बान' है, 'शान' है और जो मोदी की 'जान' है, जो मोदी का 'कर्म' है, मोदी का 'मर्म' है, मोदी का 'धर्म' है! विपक्ष के लिए यह सब 'शर्म' है! मोदी के गोपी-ग्वाल-बालों और हुरियारों के लिए होली 'मस्ती का त्योहार' है, 'मुहब्बत की सरकार' है, जिसमें राजा-रंक सब बराबर हैं, जिसमें अकबर खेलते हैं, बीरबल खेलते हैं, पद्माकर खेलते हैं और नजीर खेलते हैं और सब अब तक खेलते हैं। होली का राष्ट्रगीत 'बुरा न मानो होली है' जो सबकी 'परमानेंट ठिठोली' है, प्यार की बोली है, लेकिन कुछ के लिए यह हिकारत भरी 'गाली' है! ऐसी होली ही नफरतियों का इलाज है। मेंटलों, बीमारों की 'कल्चरल थिरेपी' है। वह मन के मैल-कुचैल को बाहर निकालती है। नफरतिए मन को स्वस्थ करती है...क्योंकि गिले-शिकवे भूल कर दोस्तो, दुश्मन भी गले मिल जाते हैं... होली के दिन दिल खिल जाते हैं, रंगों से रंग मिल जाते हैं... होली मुहब्बत की कल्चर है, जो उसके निंदक हैं, वही उसके 'वल्चर' व 'खलचर' हैं! होली ही मुहब्बत की 'परमानेंट दुकान' है, बाकी सब 'फीका पकवान' है। जो होली खेले, वही उसका 'जिजमान' है। होली है तो हिंदुस्तान है, वरना सब 'श्मशान' है। एक 'मीडिया हाउस' के कॉन्क्लेव में आकर मोदी मस्त होली खेलते हैं! मोदी जैसे ही 'विकास की होली' का गीत शुरू करते हैं, अपनी भावी विकास योजनाओं की पिचकारी चलाते हैं, वैसे ही सारे लोग भावविभोर ताली बजाने लगते हैं और मोदी-मोदी...गाने लगते हैं। ये है मोदी की होली! इसे देख, निंदकजन निंदा की पिचकारी चलाते हैं कि 'बेरोजगारी' है, 'महंगाई' है और 'निरंकुशता' की बहार है, कि यह 'वसूली सरकार' है, कि जनता नाराज है, कि ये 2024 में जा रही है और हमारी आ रही है! मोदी अपनी ही पिच और अपनी पिचकारी से अपनी विकास योजनाओं का 'अमृत' बरसाते हैं और उधर सारी जनता 'मोदी-मोदी' चिल्लाने लगती है। लगता है कि मोदी सचमुच 'दुर्जेय' हैं। सभा हो या मीडिया, मोदी अपनी लागू की गई योजनाओं-जैसे साठ करोड़ जन-धन खाते, सोलह करोड़ उज्ज्वला गैस कनेक्शन, इतने ही इज्जत घर, करोड़ों पक्के मकान, अस्सी करोड़ को फ्री राशन, हर राज्य में फर्स्ट क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास, मुद्रा योजना और अन्य सैकड़ों कल्याणकारी योजनाएं और अगले बरसों में भारत को 'दुनिया की तीसरी इकनॉमी' बनाने के अपने संकल्पों के बारे में बताते हैं और सामने बैठा हर देवी-देवता 'तीसरी बार मोदी सरकार' के नारे लगाने लगता है...। एक जमाने में कहा जाता था 'बैनेटन के रंग...' आज कहा जाता है 'मोदी के रंग मोदी के संग!' 2014 आया, तो मोदी 'अच्छे दिन आएंगे' वाली पिचकारी से खेले। 2019 आया तो मोदी 'मोदी है, तो मुमकिन है' की पिचकारी मारते आए और हर चीज 'मुमकिन' कर दी, लोग मोदी-मोदी का 'फाग' गाते रहे! अब, 2024 में मोदी, 'गारंटी वाली गारंटी' और 'मेरा भारत मेरा परिवार' की पिचकारियां लेकर भावी योजनाओं में अपने विकास के रंगों को भर रहे हैं और लोग न्योछावर हुए जा रहे हैं और मानकर चल रहे हैं कि 2024 में मोदी ही आ सकते हैं, मोदी ही आ रहे हैं...। एक दिन विपक्ष को 'चुनावी बॉन्ड' वाली पिचकारी मिल जाती है और वह मोदी से होली खेलने लगता है कि इतने बॉन्ड कहां से आए...देने और लेने वाले के बीच क्या लेन-देन हुआ... । मोदी तुरंत अपनी 'फ्यूचरिस्टिक पिचकारी' लेकर आते हैं और भारत को एक 'विकसित राष्ट्र' बनाने का प्लान बताकर आश्वस्त करते हैं कि आने वाले बरसों में अपना भारत 'विकसित राष्ट्र' बन जाएगा और दुनिया के बड़े से बड़े देश से आंख मिलाकर बराबरी की होली खेलने लगेगा।

यही विश्वगुरु का रंग है, विश्वगुरु की तरंग है। विश्वगुरु की चंग है। विश्वगुरु का ढंग है। यही विश्वगुरु की होली है। ट्रंप बाइडन से खेल रहे हैं और मोदी विपक्ष से खेल रहे हैं! यही मोदी की गारंटी की गारंटी है, जबकि विपक्ष के लिए यह सब खतरे की 'घंटी' है!

अंतर्मन में रंगोत्सव, प्रकृति के लिए हर दिन है होली, जहां उल्लास है, वहीं है ऊर्जा, वहां रोज फागुन

हमारी चेतना का स्वभाव ही उत्सव का है। उत्सव के साथ रंग को जोड़ दिया जाए, तो वह पूर्ण हो जाता है। वसंत का मौसम रंगों के उत्सव का है। इसमें रंग पंचमी है, रंग एकादशी है, तो वसंत पंचमी और होली है। प्रकृति और मानव मन में फगुनाहट का रस और रंग समाया रहता है। पढ़ें मयंक मुरारी के विचार। हमारी चेतना में अहर्निश होली चल रही है। रंगों का उत्सव जारी है। सांसारिक रूप से होली का उत्सव अंतर्मन पर लगातार चलने वाली तन, मन और चिंतन के सरस की ओर इंगित करता है। यह प्रेम के आरोहण और उसके प्रकटीकरण का पर्व है। हमारी चेतना में प्रवाहित विविध रंगों का उत्सव है। इसमें रंग ही रंग है। यह अंतर्मन में रिसता रहता है और तन के कोर-कोर को भिगोता रहता है। होली का तात्पर्य है- रस के साथ रंग। अस्तित्व में सदैव उत्सव है। इस विराट में प्रतिदिन होली मनाई जाती है। प्रकृति में, आकाश में, सूर्य की किरणों में रंगों का उत्सव सुबह से शाम तक चलता रहता है। रोजाना ही प्रकृति में रंग छिटकते हैं। प्रतिदिन बहुरंगी फूल खिलते हैं। हर नए कोंपल और झरते पत्ते के साथ रंगों का रस हमारे मन पर चढ़ता है। रंगों का यह प्रवाह ही होली है। हम मानव के लिए साल में एक होली, एक दिवाली है। मगर प्रकृति सदैव उत्सव मनाती है। इस विराट में जंगल, पौधे, पशु, नदियों का कोई अलग से होली का दिन नहीं है। उनका पूरा जीवन ही होली है, हर दिन उत्सव है। प्रकृति स्वतंत्र है, इस विराट में मानव को छोड़कर सब खुद स्वावलंबी है, इसलिए उनके जीवन में सदैव ऊर्जा है। ऊर्जा से परिपूर्ण अस्तित्व को अलग से उत्सव की जरूरत नहीं है। स्वाभाविक मानव जीवन ही फागुन है। जीवन में संगीत का संचार हो, गीत की धुन बजे और नृत्य का भाव हो, इसलिए उत्सव है। उत्सव हमारे जीवन में पुलक लाने के लिए है। इससे जीवन प्रसन्न हो, मुदित बने और थिरकन आए। होली केवल बाहर की नहीं, अंदर की भी होली है। जिस प्रकार मन के सभी विकारों और आसक्तियों को जलाना ही होलिका दहन है, उसी प्रकार चेतना को रस रंग में सराबोर करना ही होली है। कृष्ण के साथ वृंदावन में होली का महारास है तो राम के साथ मर्यादा का आरोहण है। यह भी चेतना को शाश्वत रंगीन बनाने की यात्रा है। फिर महादेव के साथ अनंत होली है। शिव होली है। होली में शिव ही रंग हैं। यानी जो शुभ है, श्रेष्ठ है, उससे अपनी चेतना का आरोहण कराना। अंतर्मन को रंगीन करना। इसमें शांति का सफेद, प्रेम का लाल, करुणा का नारंगी और उल्लास का हरा समावेशित है। प्रेम के रंग से परम की प्राप्ति होती है, तो होली के साथ सब रंग का संयोजन निश्चित ही व्यक्ति को प्रेम के विविध सोपान तक पहुंचाता है। होली के रंग उत्सव रचते हैं। दिल में उमंग बढ़ाते हैं। कुंठा से मुक्त करते हैं। भेद मिटाकर सभी को अभेद रूप से अभिन्न कर देते हैं। भारतीय संस्कृति में मुक्ति के लिए मन, वचन, कर्म और ध्यान को माध्यम बताया गया है। होली ही ऐसा उत्सव है, जिसमें प्रेम रस में मन सराबोर रहता है। इसकी सप्तरंगी छटा में विचारा निमग्न होता है और उसके सांस्कृतिक और सामाजिक धारा के साथ कर्मयोग की साधना चलती है। होली जीवन कर्म है, तो उसकी अंतर्यात्रा से मन और वचन की वर्जनाओं को नया अर्थ देने का माध्यम है। होली देह को नहीं, बल्कि अंतस को भिगोता है।

देह पर रंग की बरसात को इंद्रियां अनुभव करती हैं और मन तथा वचन पर होली का सुवास हमारी आत्मा का आस्वाद बनता है। सच है कि कुछ अवांछित गतिविधियों की वजह से होली जैसे त्योहार को फीका करने की कोशिश की जाती है। जिन्हें असुविधा है, उन्हें दुख पहुंचा कर तो खुशी के रंग नहीं चुने जा सकते।

हां, उनकी खुशियों के साथ खड़े होकर खुशी के नए रंगों की खोज कर सकते हैं। ईश्वर की ओर गमन का सरल मार्ग प्रेम और भक्ति का मार्ग है। इसमें होली का रंग अद्भुत है। इसमें प्रेम है, उमंग है और भक्ति भी है। होली की अपनी मस्ती है।

इसका अपना ठाठ है। इसका अपना फाग है। सब ओर रस, रंग और लास्य का महा उत्सव है। सूरदास की पंक्तियां हैं- 'हरि संग खेलत हैं सब फाग। इहिं मिस करति प्रगट गोपी, उर अंतर को अनुराग।' यह धरती का उत्सव है और धरती अपने सप्तरंगी आभा और छंटा से पूरी वसुधा को रंगीन बनाए हुए है। होली गोपियों के वृंदावन से प्रेमरस के साथ चलती है और अवध के लोक में चिंतन रस को पसारती है।

फिर काशी में गंगा के किनारे मसाने पर पूरे अंतर्मन को रंगीन कर देती है। यह संसार रंग से परिपूर्ण है, इसलिए जीवन को भी रंगों से भरा होना चाहिए। हरेक व्यक्ति भी रंगों का समुच्चय है। हमारी चेतना का स्वभाव ही उत्सव का है। उत्सव के साथ रंग को जोड़ दिया जाए, तो वह पूर्ण हो जाता है। वसंत का मौसम रंगों के उत्सव का है। इसमें रंग पंचमी है, रंग एकादशी है, तो वसंत पंचमी और होली है। प्रकृति और मानव मन में फगुनाहट का रस और रंग समाया रहता है। एक तरफ प्रकृति की सप्तरंगी छटा और दूसरी आर मानवीय जीवन में भौतिक सुख का बहुरंग समाज में उल्लास बिखेरता है। फागुन और चैत को वसंत का माह माना जाता है। इस प्रकार हिंदू कैलेंडर में साल का अंत और नए साल की शुरुआत वसंत से होती है। यह माह सात्विक शक्तियों की विजय का प्रतीक है। प्रह्लाद का होलिका पर विजय इसका सुंदर उदाहरण है। होली में कई रंग सिमटे हैं। यह राधा और कृष्ण के मिलन, बाबा विश्वनाथ और पार्वती के अनन्य प्रेम और समूचे समाज की खुशी और सद्भाव का उत्सव है।

पड़ोसः बढ़ती आतंकी घटनाओं के बीच ग्वादर में हमले से हाहाकार

यह हमला इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि ग्वादर बंदरगाह में चीन का अच्छा-खासा निवेश है, और यह चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भी है। वस्तुतः इसे महज एक आतंकवादी हमला कह कर खारिज नहीं किया जा सकता। इस हमले ने पाकिस्तान के, खुद अपने देश में चीनी हितों की सुरक्षा के प्रयासों पर सवालिया निशान लगा दिए हैं।बीजिंग ने बारंबार अपने नागरिकों और निवेश की सुरक्षा के प्रयास बढ़ाए जाने पर जोर दिया है। कंगाल हो चुके पाकिस्तान को इस चीनी निवेश की जबर्दस्त जरूरत है। भू-राजनीति के विशेषज्ञों का मानना है कि बलूचिस्तान में अलगाववाद की आग इस कदर पनप चुकी है कि बारूद के मुहाने पर बैठा पाकिस्तान का यह प्रांत कभी भी विस्फोट कर सकता है।

हाल ही में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों को ग्वादर पोर्ट अथॉरिटी काम्प्लेक्स पर हुए एक जटिल हमले का मुकाबला करने में दो घंटे तक काफी परेशानियों से जूझना पड़ा। इस जंग में आठ हमलावर और दो सिपाही मारे गए। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी की मजीद ब्रिगेड ने इस हमले की जिम्मेदारी ली। उन्होंने जोर देकर यह दावा किया कि पाकिस्तान की इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस और मिलिटरी इंटेलिजेंस के ठिकाने उनके लड़ाकों के निशाने पर थे। अभी दो हफ्ते पहले ही बलूच लिबरेशन फ्रंट ने केच इलाके के कोल्वा कस्बे में भी दस सैन्य वाहनों के काफिले पर घात लगाकर हमला किया था। पिछले दो वर्षों से पाकिस्तान में बलूच घुसपैठ बढ़ती जा रही है। घुसपैठिए हिम्मत के साथ सामने से हमला कर पाकिस्तानी सैन्य और पारा सैन्य संस्थानों की सुरक्षा की धज्जियां उड़ा रहे हैं। ग्वादर का यह हमला बलूच समूहों की बढ़ती हुई आक्रामक क्षमता को ही इंगित करता है। यह हमला इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि ग्वादर बंदरगाह में चीन का अच्छा-खासा निवेश है, और यह चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भी है। वस्तुतः इसे महज एक आतंकवादी हमला कह कर खारिज नहीं किया जा सकता। इस हमले ने पाकिस्तान के, खुद अपने देश में चीनी हितों की सुरक्षा के प्रयासों पर सवालिया निशान लगा दिए हैं।बीजिंग ने बारंबार अपने नागरिकों और निवेश की सुरक्षा के प्रयास बढ़ाए जाने पर जोर दिया है। कंगाल हो चुके पाकिस्तान को इस चीनी निवेश की जबर्दस्त जरूरत है। भू-राजनीति के विशेषज्ञों का मानना है कि बलूचिस्तान में अलगाववाद की आग इस कदर पनप चुकी है कि बारूद के मुहाने पर बैठा पाकिस्तान का यह प्रांत कभी भी विस्फोट कर सकता है। यह प्रदेश तेल, कोयला सोना, तांबा और गैस भंडारों सहित प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों के बावजूद पकिस्तान का सबसे गरीब और सबसे कम आबादी वाला इलाका है। इसका क्षेत्रफल भी सर्वाधिक है। यह हमला प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के कुर्सी संभालने के चंद हफ्तों के भीतर हुआ है। पाकिस्तान में उग्रवाद के विशेषज्ञ और स्वतंत्र विश्लेषक फाखर ककाखेल के अनुसार, प्रतीकात्मक रूप से उक्त हमला महत्वपूर्ण है। उनके अनुसार, इस हमले से अखबारी सुर्खियां बनीं और यही बलूच घुसपैठिए चाहते भी थे। वे यह संदेश देना चाहते थे कि खासे सुरक्षा इंतजामों के बावजूद वे अपने मकसद में कामयाब रहे। एक अन्य स्वतंत्र विश्लेषक किया बलोच का कहना है कि हमला पाकिस्तान के पुख्ता सुरक्षा इंतजामों से लैस शहर के हाई सिक्योरिटी जोन में हुआ है। इस हमले से बलूच अलगाववादियों ने पूरी दुनिया को संदेश दिया है कि चीन या किसी अन्य विदेशी दल के लिए निवेश के लिए ग्वादर बंदरगाह सुरक्षित नहीं है। बात केवल पाकिस्तान द्वारा चीनी हितों की सुरक्षा बढ़ाने तक सीमित नहीं है। बलूच घुसपैठिए और पाकिस्तानी तालिबान उस इलाके को निशाना बना रहे हैं, जहां से चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा गुजर रहा है। विश्लेषकों के अनुसार, इस क्षेत्र की शांति उक्त गलियारे के पूरा होने की दिशा में एकमात्र हल है और यह तभी हो सकता है, जब सरकार बलूचिस्तान की जरूरतें पूरी करने के लिए बातचीत की शुरुआत करे, बजाय कड़ा रुख अख्तियार कर तनाव बढ़ाने के। यह संवाद बलूच युवकों के साथ शुरू किया जाना चाहिए। विश्लेषकों का यह भी मानना है कि चीन अब खुद के सुरक्षाकर्मी रखने का प्रस्ताव दे सकता है, जिसे पाकिस्तान ने दो साल पहले खारिज कर दिया था। शुरुआती तौर पर बलूच लिबरेशन आर्मी जैसे बलूच अलगाववादी समूह प्रांतीय संसाधनों में अपना हिस्सा मांग रहे थे, लेकिन बाद में उन्होंने पूरी आजादी के लिए आंदोलन छेड़ दिया। ईरान और अफगानिस्तान की सीमा पर स्थित बलूचिस्तान में उपेक्षा का इतिहास रहा है। वर्ष 1948 में पाकिस्तान ने भारत से अलग होते ही इस प्रांत पर कब्जा कर लिया था और अलगाववादी आंदोलन तभी से चला आ रहा है। इसके अलावा, पाकिस्तान में आतंकवाद की घटनाएं काबुल में तालिबान सरकार बनने के बाद बढ़ गई हैं। इससे पाकिस्तान की यह उम्मीद भी खत्म हो गई है कि अफगानिस्तान में दोस्ताना सरकार बनने से आतंकवाद से निपटने में मदद मिलेगी। पाकिस्तान के सेंटर फॉर रिसर्च ऐंड सिक्योरिटी स्टडीज की सालाना रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2023 में पाकिस्तान में हुए 789 आतंकवादी हमलों और आतंकवाद विरोधी अभियानों में 1,524 लोग मारे गए और 1,463 लोग घायल हुए।

पंजाब में नशे का कारोबार, मुख्यमंत्री के शहर में भी जहरीली शराब का 'काला धंधा'

आम आदमी पार्टी ने वादा किया था कि अगर वह सरकार में आएगी, तो इस धंधे पर पूरी तरह रोक लगा देगी। मगर अभी तक इस दिशा में कोई कामयाबी नजर नहीं आ रही। ताजा मामला यह है कि मुख्यमंत्री के जिले संगरूर में जहरीली शराब पीने से इक्कीस लोगों की मौत हो चुकी है। कई लोगों का इलाज चल रहा है। इसे लेकर यह प्रश्न लोगों की जेहन में अटक गया है कि जब मुख्यमंत्री के जिले में जहरीली शराब के धंधे और मादक पदार्थों की पहुंच पर रोक नहीं लग पाई है, तो बाकी जगहों पर क्या स्थिति होगी। पंजाब में काफी समय से नशे की वजह से हो रही नौजवानों की मौतों को लेकर चिंता जताई जाती रही है।

नकली शराब पीकर मरने वाले ज्यादातर गरीब लोग होते हैं, जो कम पैसे में नशे के लिए ऐसी शराब खरीदते हैं। इनमें से ज्यादातर अपने परिवार के लिए रोटी कमाने वाले होते हैं। उनके मरने से पूरे परिवार के सामने संकट खड़ा हो जाता है। पंजाब में नशे के कारोबार पर नकेल कसना लंबे समय से चुनौती बना हुआ है। पिछले विधानसभा चुनाव में यह सबसे बड़ा मुद्दा था। आम आदमी पार्टी ने वादा किया था कि अगर वह सरकार में आएगी, तो इस धंधे पर पूरी तरह रोक लगा देगी। मगर अभी तक इस दिशा में कोई कामयाबी नजर नहीं आ रही। ताजा मामला यह है कि मुख्यमंत्री के जिले संगरूर में जहरीली शराब पीने से इक्कीस लोगों की मौत हो चुकी है। कई लोगों का इलाज चल रहा है। इसे लेकर यह प्रश्न लोगों की जेहन में अटक गया है कि जब मुख्यमंत्री के जिले में जहरीली शराब के धंधे और मादक पदार्थों की पहुंच पर रोक नहीं लग पाई है, तो बाकी जगहों पर क्या स्थिति होगी। पंजाब में काफी समय से नशे की वजह से हो रही नौजवानों की मौतों को लेकर चिंता जताई जाती रही है। सीमावर्ती राज्य होने के कारण वहां पाकिस्तान के रास्ते मादक पदार्थों की पहुंच पर रोक लगाना भी कठिन बना हुआ है। ऐसे में अगर जहरीली शराब से मौतों का नया मामला आया है, तो उसे लेकर स्वाभाविक ही नए सवाल उठने शुरू हो गए हैं। हालांकि प्रशासन ने छह लोगों को गिरफ्तार कर इस मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है। नकली शराब का कारोबार कमोबेश हर राज्य की समस्या है। चोरी-छिपे शराब बनाने और बेचने वाले हर कहीं मौजूद हैं, मगर जो सरकारें सचमुच इस समस्या से पार पाने को लेकर संजीदा होती हैं, वे ऐसे कारोबारियों पर नकेल कसने में कामयाब ही देखी जाती हैं। पंजाब की तुलना दूसरे राज्यों से फिलहाल इसलिए नहीं की जा सकती, क्योंकि वहां नशे पर काबू पाना सरकार की प्राथमिकता है। वहां नशे के कारोबार के फलने-फूलने की वजहें भी अब काफी हद तक साफ हैं। उसमें अनेक रसूखदार लोगों और बड़े अधिकारियों की गिरफ्तारियां भी हो चुकी हैं। इस तरह माना जा सकता है कि वहां का प्रशासन इस समस्या को लेकर सतर्क है। फिर यह समझना मुश्किल है कि संगरूर में किस तरह नकली शराब बनाई जा रही थी और प्रशासन को इसकी भनक तब मिल सकी, जब जहरीली शराब पीकर लोग मरने लगे। इस तरह के धंधे स्थानीय लोगों की जानकारी से बाहर नहीं होते। फिर स्थानीय लोगों से पुलिस का तालमेल ठीक हो, तो उसे भी इस तरह के धंधे की जानकारी मिल ही जाती है। मगर नकली शराब के धंधे में अक्सर देखा जाता है कि इसे चलाने वालों की पुलिस से सांठगांठ होती है। संगरूर में भी ऐसी किसी गठजोड़ से इनकार नहीं किया जा सकता। नकली शराब पीकर मरने वाले ज्यादातर गरीब लोग होते हैं, जो कम पैसे में नशे के लिए ऐसी शराब खरीदते हैं। इनमें से ज्यादातर अपने परिवार के लिए रोटी कमाने वाले होते हैं। उनके मरने से पूरे परिवार के सामने संकट खड़ा हो जाता है। उनका संकट कुछ मुआवजा देकर दूर नहीं किया जा सकता। इसलिए हमेशा से नकली शराब बनाने वालों के खिलाफ कठोर कदम उठाने की सिफारिश की जाती रही है। मगर सरकारों और प्रशासन की लापरवाही का नतीजा यह निकलता है कि हर घटना के बाद कुछ लोगों को गिरफ्तार तो कर लिया जाता है, पर उन्हें ऐसी कोई सजा नहीं मिल पाती, जो दूसरों के लिए नजीर बने। इसलिए भी जहरीली शराब के कारोबारियों पर शिकंजा कसना मुश्किल बना हुआ है। पंजाब सरकार इस सच्चाई से अनजान नहीं है।

मुझे टी20 प्रमोशन के लिए इस्तेमाल करते हैं, पर मुझमें काफी खेल बाकी - विराट कोहली

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स से मैच जीतने के बाद बेंगलुरु के ओपनर विराट कोहली ने कहा कि उनमें काफी टी-20 क्रिकेट बाकी है। कोहली ने कहा कि उनके नाम का इस्तेमाल टी-20 क्रिकेट को प्रमोट करने के लिए किया जा रहा है, लेकिन उनमें काफी खेल बाकी है। वह अब आंकड़े और अचीवमेंट्स नहीं, टीम की जीत के लिए खेल रहे हैं।पंजाब के खिलाफ विराट ने 77 रन की पारी खेली और टीम को 177 रन का टारगेट चेज करवाया। कोहली प्लेयर ऑफ द मैच रहे और ऑरेंज कैप भी हासिल की।

फैंस से बोले- सिर्फ दो मैच हुए, ओवर एक्साइटेड ना हों

विराट ने मैच के बाद इंटरव्यू में कहा, ओवरएक्साइटेड न होना, अभी बस 2 ही मैच हुए हैं। लोग स्टैट्स और अचीवमेंट्स की बातें करते हैं, लेकिन आखिर में यादें ही बाकी रह जाती हैं। राहुल (द्रविड़) भाई भी कहते हैं, जब आप क्रिकेट की फील्ड पर उतरते हैं तो दिल खोलकर खेलते हैं। फैंस के सामने और फ्रेंड्स के साथ जब आप दिल खोलकर खेलते हैं तो आप अच्छी यादें बनाते हैं, इन्हें आप करियर खत्म होने के बाद भी याद करना चाहते हैं। फैंस का प्यार, ये रिश्ते और टीम का सपोर्ट सालों से मुझे मिल रहा है और मैं इसके लिए शुक्रगुजार हूं।

विकेट गिरने पर कंडीशन को समझना जरूरी

कोहली ने कहा, मैं ओपनिंग कर रहा हूं और ओपनर के रूप में टीम को अच्छा स्टार्ट दिलाना मेरी जिम्मेदारी है, लेकिन लगातार विकेट गिरेंगे तो आपको कंडीशन भी समझना जरूरी है। आप खराब शॉट खेलकर आउट नहीं हो सकते। पिच बैटिंग के लिए उतनी भी अच्छी नहीं थी, यहां रन बनाना मुश्किल था, तब मैंने समझा कि यहां क्रिकेटिंग शॉट्स खेलकर ही रन बनाए जा सकते हैं।मुझे बस दूसरे एंड से थोड़ा साथ चाहिए था, जो मिला नहीं। ग्रीन, मैक्सवेल और अनुज मेरे सामने लगातार आउट हो गए, तब मुझ पर जिम्मेदारी भी बढ़ गई। निराश था कि गेम फिनिश नहीं कर सका, गेंद मेरे पाले में थी और उसे बाउंड्री के बाहर जाना चाहिए था, लेकिन डीप पॉइंट पर कैच हो गया। फिर भी 2 महीने बाद क्रिकेट खेलना और टीम की जीत में कॉन्ट्रिब्यूट कर पाना, मेरे लिए इतना भी बुरा नहीं रहा।%

विराट ने कहा, मैं जानता हूं कि दुनिया में मेरा नाम अब टी-20 क्रिकेट को प्रमोट करने के लिए जोड़ा जाने लगा है, लेकिन मुझे लगता है कि मेरा खेल अब भी बाकी है। मैं अब भी मैच जिता सकता हूं।

मैं कवर ड्राइव को गैप में अच्छे से खेलता हूं, लेकिन रबाडा और अर्शदीप मुझे आसानी से इस शॉट को खेलने नहीं देंगे। इनके सामने बाउंड्री ढूंढनी पड़ती है, इसलिए आगे निकलकर इनसाइड आउट शॉट खेलना बेहतर ऑप्शन है।%

पिछले 2 महीने नॉर्मल महसूस किया

विराट से पूछा गया कि क्रिकेट से दूर फैमिली के साथ पिछले 2 महीनों के बारे में आप क्या कहना चाहेंगे। इस पर कोहली ने कहा, हम देश में नहीं थे, हम ऐसी जगह थे, जहां लोग हमें पहचानते नहीं थे। परिवार के साथ मैंने उस वक्त को दिल खोलकर जिया, हम आम आदमी की तरह सड़कों पर घूम रहे थे। 2 महीने तक मैंने नॉर्मल महसूस किया। परिवार के रूप में यह अनुभव अच्छा रहा। परिवार के साथ, 2 बच्चों के साथ चीजें पूरी तरह से बदल जाती हैं। अपने बड़े बच्चे के साथ आपके कनेक्शन अलग रहते हैं। मैं भगवान का शुक्रगुजार हूं कि अपने परिवार के साथ 2 महीने का समय भी अच्छे से बिता सका। विराट ने आगे कहा, ब्रेक के बाद जब घर लौटा और मैदान पर उतरा तो फैंस के शोर से चौंक गया। पिछले 2 महीने की शांति में इस आदत को मैं पूरी तरह से भूलने लगा था,

लेकिन वापस लौटा तो समझा यह अनुभव भी जीवन का अहम हिस्सा है।

पर्थ टेस्ट से शुरू होगा भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा पहला टेस्ट 22 नवंबर से, 7 जनवरी तक चलेगी सीरीज

नई दिल्ली। टीम इंडिया इस साल नवंबर में 5 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। पहला मुकाबला 22 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा। सीरीज का आखिरी मैच 3 जनवरी से सिडनी में शुरू होगा। टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 10 साल से कोई टेस्ट सीरीज नहीं हारी। टीम ने कंगारुओं को उन्हीं के घर में 2 बार और अपने घर में भी 2 बार हराया है। हर बार जीत का अंतर 2-1 से भारत के पक्ष में रहा।

गाबा में इस बार होगा तीसरा टेस्ट

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को 2024-25 सीजन का शेड्यूल जारी किया। 22 नवंबर को पर्थ में पहला टेस्ट होगा। इसके बाद 6 दिसंबर से एडिलेड में डे-नाइट टेस्ट खेला जाएगा। फिर ब्रिसबेन के द गाबा मैदान पर 14 दिसंबर से तीसरा टेस्ट और मेलबर्न में 26 दिसंबर से चौथा टेस्ट होगा। आखिरी टेस्ट 3 जनवरी 2025 से सिडनी में खेला जाएगा। भारत के अलावा पाकिस्तान टीम भी 3 वनडे और 3 टी-20 मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएगी।

डबलूटीसी के एक सीजन में हर टीम को 2 साल के टाइम पीरियड में 6 सीरीज खेलनी होती हैं, तीन अपने घर में और तीन घर के बाहर। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 साइकल में टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ही आखिरी अवे (घर से बाहर) सीरीज खेलेगी। भारत ने विदेश में साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज का दौरा किया। साउथ अफ्रीका में 2 टेस्ट की सीरीज 1-1 से ड्रॉ रही। वहीं वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट की सीरीज भारत ने 1-0 से जीती।

भारत को अब घर में न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 और बांग्लादेश के खिलाफ 2 टेस्ट की सीरीज खेलनी है। घर में पिछली

17 सीरीज जीत चुकी टीम इंडिया इन सीरीज को जीतने की भी प्रबल दावेदार है। टीम इंडिया ने इस डबलूटीसी की एकमात्र होम सीरीज इंग्लैंड के खिलाफ 4-1 से जीती।

टीम इंडिया अब तक वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकल में 3 में से 2 सीरीज जीत चुकी है। टीम ने अब तक कुल 9 मुकाबले खेले, 6 में जीत मिली और महज 2 में टीम को हार का सामना करना पड़ा। वेस्टइंडीज के खिलाफ एक मुकाबला ड्रॉ भी रहा। टीम इंडिया के 3 सीरीज से डबलूटीसी पॉइंट्स टेबल में 68.51त्न पॉइंट्स हो गए, टीम पहले नंबर पर है।

ऑस्ट्रेलिया डिफेंडिंग चैंपियन, न्यूजीलैंड ने जीता पहला खिताब

टीम इंडिया ने अब तक दोनों डबलूटीसी फाइनल में जगह बनाई लेकिन दोनों बार टीम को हार का सामना करना पड़ा। 2021 में न्यूजीलैंड ने 8 विकेट से फाइनल जीता। जबकि 2023 में ऑस्ट्रेलिया ने 209 रन से फाइनल जीता। अब जून 2025 में एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच ही डबलूटीसी का फाइनल हो सकता है। क्योंकि दोनों टीमें पॉइंट्स टेबल के टॉप-2 पोजिशन पर है।

वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल का एक टूर्नामेंट है। इसकी शुरुआत साल 2019 में हुई। चैंपियनशिप में टेस्ट खेलने वाली 9 टीमें हिस्सा लेती हैं। सभी टीमों की निर्धारित सीरीज खत्म होने के बाद पॉइंट्स टेबल की टॉप-2 टीमें फाइनल में पहुंचती हैं।

विराट टी-20 में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले भारतीय

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2024 के छठे मुकाबले में पंजाब किंग्स को 4 विकेट से हराया। पंजाब ने 20 ओवर में 176 रन बनाए। बेंगलुरु ने 20वें ओवर में टारगेट हासिल कर लिया। विराट कोहली प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने टूर्नामेंट में अपना 51वां अर्धशतक जमाया। वे आईपीएल में 50 से ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले दूसरे बैटर और पहले भारतीय बने। विराट टी-20 में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले भारतीय भी बन गए। उन्होंने सुरेश रैना को पीछे किया।

विराट कोहली ने पंजाब किंग्स के खिलाफ अपना 51वां अर्धशतक जमाया। वे 50 से ज्यादा फिफ्टी जमाने के रिकॉर्ड में दूसरे नंबर पर

पहुंच गए। उनसे ज्यादा 61 फिफ्टी ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर ने लगाई हैं। भारतीयों में विराट टॉप पर हैं, उनके बाद शिखर धवन ने 50 अर्धशतक लगाए हैं।

विराट टी-20 क्रिकेट में 100 बार 50+ स्कोर बनाने वाले पहले भारतीय

विराट कोहली के ओवर टी-20 क्रिकेट में 100 बार फिफ्टी प्लस स्कोर हो गए। वे ऐसा करने वाले भारत के पहले और दुनिया के तीसरे बैटर बने। दुनिया में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम है। गेल ने 455 इनिंग्स में 110 बार 50+ स्कोर बनाया है। दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर हैं।

टी-20 क्रिकेट में इंटरनेशल, डोमेंस्टिक और लीग क्रिकेट तीनों शामिल हैं। 50+ स्कोर में सेंचुरी भी शामिल होती है। अगर स्कोर 99 रन है तो वह अर्धशतक और 50+ स्कोर है। लेकिन अगर स्कोर 101 रन है, तो वह शतक में गिना जाएगा, लेकिन 50+ स्कोर भी कहलाएगा।

व्यापार

मुंबई पहली बार एशिया की बिलेनियर कैपिटल बनी, यहां एक साल में 26 अरबपति बढ़े

नई दिल्ली। भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई एशिया की अरबपतियों की राजधानी बन गई है। मुंबई ने पहली बार चीन की राजधानी बीजिंग को पीछे छोड़कर यह मुकाम हासिल किया है। यहां 603 स्क्वायर किलोमीटर के एरिया में 92 अरबपति रहते हैं, जबकि बीजिंग के 16,000 स्क्वायर किलोमीटर में 91 अरबपति हैं।

हुरुन रिसर्च की 2024 ग्लोबल रिच लिस्ट के मुताबिक, पिछले एक साल में मुंबई में 26 नए लोग बिलेनियर बने हैं, जबकि बीजिंग में इस दौरान 18 लोग इस लिस्ट से बाहर हुए हैं। चीन में 814 बिलेनियर रहते हैं, जबकि भारत में 271 बिलेनियर हैं।

न्यूयॉर्क और लंदन के बाद दुनिया में तीसरे नंबर पर

मुंबई अब ग्लोबली इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर पहुंच गया है। पहले नंबर पर न्यूयॉर्क हैं, यहां 119 बिलेनियर रहते हैं, जबकि लंदन दूसरे

नंबर पर है, यहां 97 लोग अरबपति हैं। बिलेनियर उन लोगों को कहा जाता है जिनके पास 1 बिलियन डॉलर यानी करीब 8,333 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति है।

92 लोगों के पास 445 बिलियन डॉलर की संपत्ति

रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई के टोटल 92 लोगों की संपत्ति एक साल में 47त्न बढ़कर 445 बिलियन डॉलर (37.09 लाख करोड़ रुपए) हो गई है। वहीं, चीन की राजधानी में बिलेनियरों की वेल्थ 28 प्रतिशत कम होकर 265 बिलियन डॉलर (22.08 लाख करोड़ रुपए) रह गई है। भारत में अभी 271 बिलेनियर्स हैं। लेकिन, दुनिया के टॉप 20 अमीरों में केवल दो भारतीय हैं।

इनमें, रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी 9.43 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ 11वें नंबर हैं। वहीं, अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी इस लिस्ट में 18वें नबंर पर हैं, इनके पास 6.73 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति है। दुनिया के टॉप टेन अमीरों में शामिल हुए मुकेश अंबानीः नेटवर्थ 9.45 लाख करोड़ रुपए हुई, सर्गी ब्रिन को पीछे छोड़कर हासिल किया मुकाम रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी दुनिया के टॉप 10 अमीरों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। फोर्ब्स की रियल टाइम बिलेनियर्स लिस्ट के अनुसार मुकेश अंबानी की नेटवर्थ अब 114 बिलियन डॉलर (करीब 9.45 लाख करोड़ रुपए) हो गई है।

अडाणी पोर्ट्स ने एक और बंदरगाह खरीदा, 3080 करोड़ रुपए में हुई डील, ये कंपनी का 14वां पोर्ट होगा

नई दिल्ली। गौतम अडाणी की कंपनी अडाणी पोर्ट्स ने एक और पोर्ट (बंदरगाह) खरीद लिया है। एक्सचेंज पर जारी जानकारी में कंपनी ने बताया कि गोपालपुर पोर्ट्स में 95त्न हिस्सेदारी खरीदी है। ये डील 3080 करोड़ रुपए में हुई है। ये अडाणी पोर्ट्स का 14वां पोर्ट होगा।

अडाणी पोर्ट्स ने शापूर्जी पलोनजी पोर्ट मेंटेनेंस प्राइवेट लिमिटेड से 56त्न हिस्सेदारी खरीदी है। शापूर्जी पलोनजी पोर्ट मेंटेनेंस प्राइवेट लिमिटेड, शापूर्जी पलोनजी ग्रुप का हिस्सा है। इसके अलावा अडाणी पोर्ट्स ने उड़ीसा स्टीवडोर्स लिमिटेड से 39त्न हिस्सेदारी खरीदी है।

गोपालपुर पोर्ट्स से कई कार्गो को किया जाता है हैंडल

इस पोर्ट्स पर कई तरह के ड्राई बल्क और ब्रेक बल्क कार्गो को हैंडल

किया जाता है। यह एक डीप ड्राफ्ट, मल्टी-कार्गो पोर्ट है। यह लोहा, कोयला, चूना पत्थर, इल्मेनाइट रेत और एल्यूमिना सहित सूखे थोक कार्गो के विविध मिश्रण को संभालता है। अडाणी पोर्ट भारत का सबसे बड़ा प्राइवेट पोर्ट ऑपरेटर और एंड-टु-एंड लॉजिस्टिक्स प्रोवाइडर है। दो दशकों से भी कम समय में, इसने पूरे भारत में बंदरगाहों के बुनियादी ढांचे और सेवाओं के एक पोर्टफोलियो का निर्माण, अधिग्रहण और विकास किया है। अभी इसके 13 पोर्ट और टर्मिनल देश की पोर्ट कैपेसिटी का करीब 24त्न का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसकी कैपेसिटी 580 MMTPA है। इसे 26 मई 1998 को इनकॉर्पोरेट किया गया था। पहले इसका नाम गुजरात अडाणी पोर्ट लिमिटेड था। अडाणी पोर्ट्स के शेयर में आज 1.50 प्रतिशत की तेजी देखने को मिल रही है। ये 19.25 रुपए की बढ़त के साथ 1,300.85 रुपए पर कारोबार कर रहा है। बीते 1 साल में अडाणी पोर्ट्स के शेयर में 107 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

सेंसेक्स 361 अंक गिरकर 72,470 पर बंद, निफ्टी भी 92 अंक गिरा, भारती एयरटेल टॉप लूजर रहा

नई दिल्ली। शेयर बाजार में 26 मार्च को गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 361 अंक की गिरावट के साथ 72,470 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 92 अंक की गिरावट रही, ये 22,004 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 में गिरावट और 10 में तेजी देखने को मिली। आज पावर, ढ्ढञ्ज और बैंकिंग शेयर्स में ज्यादा गिरावट रही। भारती एयरटेल निफ्टी का टॉप लूजर रहा।

कंस्ट्रक्शन एंड डेवलपर्स कंपनी एसआरएम कॉन्ट्रैक्टर्स लिमिटेड का आईपीओ यानी इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए

आज से ओपन हो रहा है। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 28 मार्च तक बोली लगा सकेंगे।

इस आईपीओ के लिए रिटेल निवेशक को मिनिमम एक लॉट यानी 70 शेयर के लिए अप्लाई करना होगा। कंपनी ने आईपीओ का प्राइज बैंड ?200-?210 प्रति शेयर तय किया है। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड

210 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं तो आपको 14,700 लगाने होंगे। रिटेल निवेशक अधिकतम 13 लॉट यानी 910 शेयर के लिए बिडिंग कर सकते हैं, जिसके लिए 191,100 इन्वेस्ट करने होंगे।

इससे पहले हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी 22 मार्च को शेयर बाजार में बढ़त देखने को मिली थी। सेंसेक्स 190 अंक की तेजी के साथ 72,831 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, निफ्टी में भी 84 अंक की तेजी रही, ये 22,096 के स्तर पर बंद हुआ था।

भारतीय अर्थव्यवस्था की मुरीद हुई अमेरिकी रेटिंग एजेंसी जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को रिवाइज करके बढ़ाया

नई दिल्ली। भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। यही वजह है कि दुनियाभर की एजेंसियां भारत की जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को संशोधित करके बढ़ा रही हैं। अब इस लिस्ट में अमेरिकी क्रेडिट रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स का नाम भी जुड़ गया है।

S&P का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की अर्थव्यवस्था 6.8 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। पिछले साल नवंबर में रेटिंग एजेंसी ने अंदाजा लगाया था कि अगले वित्त वर्ष में भारत की ग्रोथ 6.4 प्रतिशत रहेगी। अगर मौजूदा वित्त वर्ष यानी 2023-24 की बात करें, तो इंडियन इकोनॉमी के 7.6 प्रतिशत की दर से वृद्धि करने का अनुमान है।

हालांकि, S&P ने वित्त वर्ष 2025-26 और 2026-27 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ के अपने पुराने

अनुमान को बरकरार रखा है। रेटिंग एजेंसी का मानना है कि इन दोनों वित्त वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था 5-5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी।

अच्छा प्रदर्शन करेंगे इमर्जिंग मार्केट

S&P ने एशिया पैसिफिक के लिए अपने 'इकोनॉमिक आउटलुक' में कहा, उभरती अर्थव्यवस्थाओं यानी इमर्जिंग मार्केट के लिए हमारा अनुमान मजबूत रहता है, क्योंकि इनके पास ग्रोथ की अच्छी गुंजाइश रहती है। इस बार भी हमारे अनुमान के मुताबिक भारत, इंडोनेशिया, फिलीपींस और वियतनाम जैसे इमर्जिंग मार्केट के ग्रोथ की रफ्तार तेज रहेगी।

रेटिंग एजेंसी के अनुसार, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसी अर्थव्यवस्थाओं का बड़ा आधार घरेलू मांग है। लेकिन, उच्च ब्याज दरों और मुद्रास्फीति के चलते दूसरी छमाही में क्रमिक सकल घरेलू उत्पाद की ग्रोथ कम हो हुई है।

S&P ने जहां भारत के जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को रिवाइज करके बढ़ाया है, वहीं चीन का घटाया है। रेटिंग एजेंसी का मानना है कि अगले वित्त वर्ष में चीन की अर्थव्यवस्था 4.6 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। मौजूदा वित्त वर्ष में इसके 5.2 प्रतिशत के दर से बढ़ने का अनुमान है।

S&P का कहना है कि चीन का प्रॉपर्टी मार्केट मुश्किलों से जूझ रहा है और उद्योगों को पॉलिसी सपोर्ट भी नहीं मिल रहा। ऐसे में उसकी तरक्की की रफ्तार सुस्त पड़ने का अनुमान है।

छिंदवाड़ा में कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन, नकुल ने भरा पर्चा

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश में लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए मंगलवार को कांग्रेस के 4 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किया। इनमें छिंदवाड़ा से नकुलनाथ, बालाघाट से सम्राट सिंह सारस्वत, सीधी से कमलेश्वर पटेल और मंडला से ओमकार सिंह मरकाम शामिल हैं। मरकाम कल फिर पार्टी नेताओं के साथ जाकर पर्चा दाखिल करेंगे। इसी तरह शहडोल से कांग्रेस प्रत्याशी फुंदेलाल मार्को और जबलपुर से दिनेश यादव भी कल नामांकन दाखिल करेंगे।

पहले चरण के नामांकन फॉर्म जमा करने का कल (बुधवार) अंतिम दिन है। बुधवार 3 बजे तक नामांकन भरे जा सकेंगे।

नकुल के नामांकन के बहाने कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन

छिंदवाड़ा में नकुलनाथ के नामांकन के बहाने कांग्रेस ने शक्ति प्रदर्शन किया। नामांकन रैली में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष भी

शामिल हुए। इससे पहले नकुलनाथ ने शिकारपुर के हनुमान मंदिर में दर्शन किए। उनके साथ पूर्व सीएम कमलनाथ, मां अलकानाथ और पत्नी प्रियानाथ भी मौजूद रहीं। दर्शन के बाद वे रैली निकालकर नामांकन भरने पहुंचे। नामांकन दाखिल करने के बाद सभा भी हुई।

नकुलनाथ ने कहा कि %नाथ परिवार और छिंदवाड़ा के लोगों का राजनीतिक नहीं, पारिवारिक संबंध है। जब भाजपा की सरकार हमें ताली और थाली बजाने का काम दे रही थी, तब छिंदवाड़ा पूरे मध्यप्रदेश और देश में एक ऐसा जिला था, जहां ऑक्सीजन सिलेंडर और इंजेक्शन की कमी नहीं थी।%

नेता प्रतिपक्ष सिंघार बोले- मुझे 50 करोड़, मंत्री पद का ऑफर दिया

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने ज्योतिरादित्य सिंधिया को लेकर कहा- %अब वे नेता नहीं, अब तो सिंधिया गद्दार हो गए हैं। जब मैंने सिंधिया से बात की- आप क्या चाहते हो? बोले- मैं लोकसभा चुनाव हार गया, मेरे से 27 नंबर की कोठी छीन ली जाएगी, मैं कहां रहूंगा?

सिंघार ने कहा, %एक कोठी के कारण आपने कांग्रेस को धोखा दे दिया। झांसी के लोग ग्वालियर के महाराज को आज भी गद्दार कहते हैं। मुझे भी खरीदने की कोशिश की गई, 50 करोड़ और मंत्री पद का ऑफर आया, लेकिन मैं सच्चा आदिवासी हूं, कांग्रेस को नहीं छोड़ा।%

सीधी में कमलेश्वर पटेल बोले- भाजपा लोकतंत्र की हत्या कर रही

सीधी लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी और पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल ने मंगलवार को नामांकन जमा किया। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह भी उनके साथ मौजूद थे। नामांकन के बाद उन्होंने जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतंत्र की हत्या कर रही है। कांग्रेस पार्टी के खातों को फ्रिज कर दिया गया है, ताकि वह उन पैसों का उपयोग न करें। हम बिना पैसों के चुनाव लड़ रहे हैं और जीतेंगे।

3 बेटियों के साथ मां ने लगाई फांसी

भाई बोला- बेटा नहीं होने के कारण प्रताड़ित करते थे ससुराल वाले

भोपाल। भोपाल में मां ने 3 बेटियों को फांसी पर लटकाने के बाद खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला और 2 बेटियों की मौत हो गई। ढाई साल की एक बेटी को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महिला के भाई ने बेटे को जन्म नहीं देने के कारण प्रताड़ना के आरोप ससुराल वालों पर लगाए हैं। हालांकि, शुरुआती जानकारी मर्डर की आई थी।

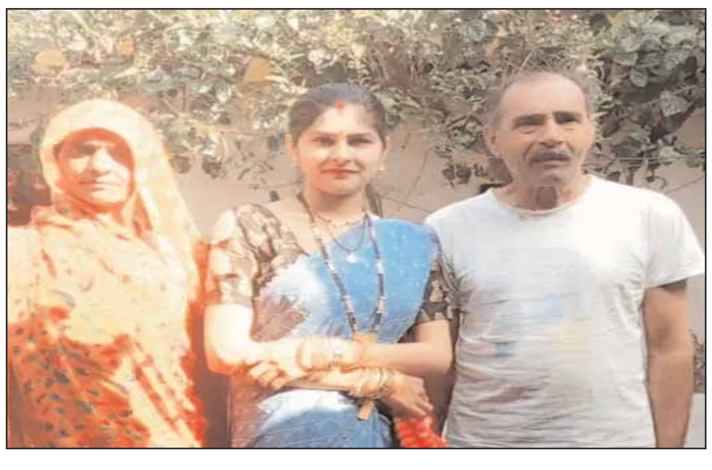

घटना भोपाल से 35 किमी दूर गुनगा थाना क्षेत्र के रोडिया गांव की है। मामला मंगलवार दोपहर को सामने आया। तीनों के शव हमीदिया अस्पताल भेजे गए हैं। महिला का नाम संगीता यादव उम्र 28 साल, बेटी आराध्या 5 साल और श्रृष्टि ढाई साल की है।

गुनगा थाना प्रभारी अरुण शर्मा ने बताया कि रायसेन जिले के संग्रामपुर निवासी संगीता की शादी 2018 में भोपाल के रोडिया गांव निवासी रजत यादव से हुई थी। शुरुआती जांच में महिला द्वारा सुसाइड और इससे पहले 3 बच्चियों की हत्या किए जाने के संकेत घटनास्थल की जांच के दौरान मिले हैं। महिला ने बेटियों को फांसी पर लटकाने के बाद सुसाइड किया है। इससे पहले उसने पांच मैसेज ननद मोना को भेजे हैं। पहला मैसेज सोमवार रात 12.24 पर और बाकी के चार 12.55 पर भेजा है। इसके बाद यही मैसेज अपने भाई नीरज को भेजे हैं।

भाई का आरोप बेटा नहीं होने पर कर रहे थे प्रताड़ित

संगीता के भाई नीरज यादव ने बहन के सुसराल पक्ष पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। नीरज ने बताया कि रात को संगीता ने एक के बाद एक पांच मैसेज मोबाइल पर भेजे। मैंने मैसेज सुबह देखे। एक मैसेज में वो कह रही है कि वह बहुत खराब हैं। मैं सोचती थी कि आज नहीं तो कल सब ठीक हो जाएगा। लेकिन, अब मैं जहर खा रही हूं। कोई नहीं बचेगा, सब मरेंगे।

किसी ने नहीं उठाया फोन

नीरज ने कहा- मैंने मैसेज देखकर संगीता के मोबाइल पर कॉल किया। लेकिन, वहां से मुझे कोई रिस्पांस नहीं मिला। संगीता के देवर को भी फोन किया। उन्होंने दो बार मेरा फोन नहीं उठाया। तीसरी बार में जब उन्होंने फोन उठाया तो मैंने पूछा कि घर पर सब ठीक है। उन्होंने कहा हां सब ठीक है। मुझे उन पर विश्वास नहीं हुआ। मुझे शक हुआ। पड़ोस के गांव में मेरी बुआ हैं। उनके लड़के को मैंने फोन लगाकर कहा कि वहां जाकर देख लीजिए। मेरा घर बहन की सुसराल से 40 किलोमीटर दूर है। जब मेरा रिश्तेदार उनके घर पर पहुंचा तो देखा कि तीनों के शव घर में रखे हुए थे। उन्होंने मुझे बताया और मैंने पुलिस को सूचना दी। उसके बाद पुलिस वहां पर पहुंची थी।

संगीता की ननद ने देखे शव

नीरज ने बताया कि तीनों के शव सबसे पहले संगीता की ननद ने देखे थे। उन्होंने सुबह करीब 6 बजे शव फंदे से उतरे। उन्होंने पुलिस को भी सूचना नहीं दी। छोटी भांजी जो अस्पताल में भर्ती है, उसे भी ससुराल पक्ष ने ही फंदे से नीचे उतारा है।

एमपी में संविदा नीति-23 लागू करने की मांग

ई-गर्वनेंस सोसायटी के अधिकारी-कर्मचारियों ने सौंपे ज्ञापन; विदिशा में साथी की मौत से दुखी

भोपाल। मध्यप्रदेश में संविदा नीति 2023 लागू किए जाने की मांग फिर उठी है। विदिशा में साथी की मौत से दुखी ई-गर्वनेंस सोसायटी के अधिकारी-कर्मचारियों ने सोमवार को भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने ज्ञापन सौंपा। प्रदेश के अन्य जिलों में भी ज्ञापन सौंपे गए। भोपाल में ई-गर्वनेंस मैनेजर विकास कुमार गुप्ता समेत साथी कर्मचारियों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि संविदा नीति सभी विभागों में लागू हो गई है, परंतु अब तक उनके लिए लागू नहीं की गई है। इसके कारण परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

परिवार का पालन बड़ा जिम्मा

ज्ञापन में बताया कि विदिशा के डीईजीएम निजामुद्दीन की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो जाने से परिवार असुरक्षा महसूस कर रहा है। परिवार में दो नाबालिग बच्चे हैं। जिनके पालन पोषण के लिए नियुक्ति लागू करना बहुत जरूरी है। साथ ही बीते वर्ष पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने घोषणा भी की थी। प्रदेश के सभी जिलों की ई-गवर्नेंस सोसायटी में अधिकारी-कर्मचारी पदस्थ है। उन्हें नीति निर्धारण के 9 माह बाद भी अभी तक विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं एमपीएसईडीसी द्वारा इस नीति से अछूता रखा है और आज भी संविदा नीति 2023 नीति लागू किए जाने के लिए अधिकारियों को ज्ञापन देकर नीति लागू किए जाने की मांग की जा रही है।

11 साल से काम कर रहे कर्मचारी

ज्ञापन में कहा गया कि ई-गवर्नेस कर्मचारी एक निश्चित चयन परीक्षा के तहत भर्ती हुए हैं। प्रत्येक जिले में विगत 11 वर्ष से शासन की समस्त योजनाओं मे संलग्न रह कर कार्य कर रहे हैं। कोरोना काल से लगभग 4 से 5 लोगों की मौत अल्पकाल में कार्य के दौरान हो चुकी है। संविदा नीति ई-गवर्नेंस स्टॉफ पर लागू कर योजना का लाभ कर्मचारियों को दिया जाना अत्यंत आवश्यक है। अन्यथा परिवार के सामने भरण पोषण की समस्या उत्पन्न होगी।

होली का पर्व सभी के जीवन में खुशी, उत्साह और समृद्धि के रंग लेकर आए : डीजीपी

प्रदेश अध्यक्ष एवं संगठन महामंत्री ने प्रदेश कार्यालय परिवार के स्वच्छता कर्मी, किचन स्टाफ, वाहन चालक एवं अन्य समस्त सदस्यों के साथ होली मिलन कर गुलाल लगाकर दी शुभकामनाएं

भोपाल, 26 मार्च 2024। भोपाल में पुलिसकर्मियों द्वारा रंगों का त्योहार होली हर्षोल्लास से मनाया गया। शहर के लाल परेड मैदान स्थित कबड्डी ग्राउंड में 26 मार्च मंगलवार को पुलिस मुख्यालय के होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। डीजीपी श्री सुधीर कुमार सक्सेना ने कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि उपस्थित होकर प्रदेशभर के पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को होली की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि मैं कामना करता हूं कि होली का यह पर्व आप सभी के और आपके परिवारों के जीवन में खुशियों के रंग लेकर आए, उत्साह के रंग लेकर आए, समृद्धि के रंग लेकर आए। यह जो हमारा पारिवारिक माहौल है, एक-दूसरे से मिल-बांटकर खुशियां मनाने का माहौल है, मैं कामना करता हूं कि यह सदैव बना रहे और मध्यप्रदेश पुलिस इसी तरह देश और प्रदेश का नाम रोशन करती रहे। इस अवसर पर स्पेशल डीजी श्री संजय झा, स्पेशल डीजी श्री विजय कटारिया, एडीजी श्री पवन श्रीवास्तव, एडीजी श्री अनिल कुमार, एडीजी श्री साजिद फरीद शापू, कमिश्नर श्री हरिनारायणचारी मिश्र, कमांडेंट 7वीं वाहिनी श्री हितेश चौधरी और बड़ी संख्या में वरि?ठ पुलिस अधिकारी, कर्मचारी और पुलिसकर्मियों के परिजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आरक्षक वर्षा परिहार और रिटायर्ड पुलिसकर्मी श्री एस.रिजवी ने किया।

डीजीपी श्री सक्सेना ने सभी पुलिस अधिकारियों, जवानों, समारोह में प्रस्तुति देने वाले कलाकारों और सभी उपस्थितजन को होली की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस का एक अत्यंत गौरवशाली इतिहास रहा है। चाहे नक्सलवाद के विरुद्ध, डकैतों के विरुद्ध, देश विरोधी तत्वों के विरुद्ध या साम्प्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के लिए कार्रवाई हो, चाहे बड़े-बड़े त्योहार हों या चुनाव हों, हर क्षेत्र में आप सभी ने अत्यंत उत्कृष्ट कार्य किया है और इसीलिए आज मध्यप्रदेश को देश में शांति का टापू कहा जाता है। उन्होंने पुलिसकर्मियों से कहा कि आप सभी की कर्तव्यपरायणता, कार्यकुशलता, त्याग, तपस्या और बलिदान से ही आज हम इस मुकाम पर पहुंचे हैं। हमेशा मध्यप्रदेश पुलिस एक परिवार की तरह रहती है। चाहे किसी भी स्तर के अधिकारी हो, सब त्योहार एक-साथ मनाते हैं। उन्होंने कहा कि आप सभी हमेशा प्रसन्न रहें, स्वस्थ रहें, सानंद रहें।

सुमधुर फाग गीतों ने बांधा समां

पुलिस की विभिन्न शाखाओं की फाग पार्टियों ने होली मिलन समारोह में आकर्षक प्रस्तुतियां दी। सबसे पहले एसटीएफ, 25वीं बटालियन और डीजीपीआर के संयुक्त दल ने ÷ मेरा खोई गयो बाजूबंद, कान्हा होरी मेंजीत की प्रस्तुति दी। इसके बाद 23वीं बटालियन, जीआरपी व हॉकफोर्स ने संयुक्त रूप से ÷सज के जा रही छबीली, होली में रंगीलीज÷ गीत प्रस्तुत किया। अगली प्रस्तुति के रूप में पुलिस मुख्यालय की रेडियो शाखा ने मेरी चुनरी में पड़ गयो दाग री, कैसो चटख रंग डारो गीत की प्रस्तुति दी। सातवीं वाहिनी, भोपाल के दल ने ÷कान्हा राधा के संग खेले होलीज.÷गीत की प्रस्तुति दी। वहीं सीआईडी शाखा के दल ने ÷केसरिया रंग डारे कन्हैया नेज.÷ और भौंरी की टीम ने ÷मोहे रंगा न डारो सांवरियाज.÷ गीत गाकर समां बांध दिया। राधाकृष्ण की रासलीला ने सभी का मन मोहा होली मिलन समारोह में पुलिस आईटीआई की टीम की सदस्यों ने राधाकृष्ण व गोपियों की रासलीला की आकर्षक नृत्य प्रस्तुति दी। इस मनमोहक प्रस्तुति ने सभी उपस्थितजन को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में पुलिस बैंड ने ÷ रंग बरसे भीगे चुनरवाली रंग बरसे की धुन की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के अंत में समारोह में प्रस्तुति देने वाले पुलिस बल के सभी लोक कलाकारों को डीजीपी श्री सक्सेना ने पारितोषिक वितरित कर सम्मानित किया।

प्रॉपर्टी टैक्स-जलकर में छूट पाने के आखिरी पांच दिन

भोपाल। राजधानी भोपाल में प्रापर्टी, वाटर टैक्स (जलकर) और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रभार में छूट पाने के आखिरी पांच दिन बचे हैं। 31 मार्च तक उपभोक्ताओं को राहत मिलेगा। वे टैक्स में 50त्न तक की छूट पा सकते हैं। इससे पहले निगम ने वार्ड-28 में संपत्ति कर का भुगतान नहीं करने पर अन्नपूर्णा कॉम्पलेक्स के दो बकायादारों की संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई भी की।

मंगलवार को जोन-8 के अंतर्गत वार्ड-28 के अमले ने अन्नपूर्णा कॉम्प्लेक्स के दो भवनों पर कुर्की की कार्रवाई की गई। अन्नपूर्णा कॉम्प्लेक्स के भवन क्र. ई/109 पर 80 हजार 423 रुपए और भवन क्र. ई/412 पर 1 लाख 62 हजार 454 रुपए बकाया थे। यह राशि भवन स्वामी ने जमा नहीं कराया। इसलिए कुर्की की कार्रवाई की गई। इधर, निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण ने मंगलवार को राजस्व अधिकारियों की मीटिंग भी की। उन्होंने सख्ती से बकाया राशि जमा कराने के निर्देश दिए।

पानी का संरक्षण हर अवसर पर करें: डॉ. राकेश मिश्र

- पं गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा फूलों की होली मिलन समारोह अनूठा आयोजन: बी.डी. पांडेय
- होली खेलें रघुवीरा अवध में होली खेलें रघुवीरा: फाग गाकर रंग जमाया
- होली का पर्व सौहार्द व भाईचारे से मनाया: रमाकान्त गौतम
- बघेली फगुआ गीतों के संग महिला पुरुषों ने किया राधा कृष्ण का मनमोहक नृत्य: कृष्णा पांडेय

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

सतना। होली के अवसर पर पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास कार्यालय नेह निकुंज रीवा रोड में होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम डॉ. राकेश मिश्र ने जिले के गांव देहातों से आए हुए प्रबुद्ध जनों पर फूलों की वर्षा करते हुए उनका स्वागत किया और उन्हें अंग वस्त्र भेंट कर उनका सम्मान किया।

डॉ. राकेश मिश्र ने कहा कि जल संरक्षण के लिए चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत सेवा न्यास के कार्यकर्ताओं द्वारा फूलों संग होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया है। इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य यह है कि जल संरक्षण हेतु आम जनमानस को जागरूक करना। होली महापर्व में केमिकल युक्त रंगों का इस्तेमाल न करते हुए हम सबको प्राकृतिक होली खेलना चाहिये।इससे हमारा शरीर स्वस्थ रहता है और साथ ही पानी की बचत भी होती है।हम सब का दायित्व है की पीने के पानी का संरक्षण करें।

होली खेलें रघुवीरा अवध में होली खेलें रघुवीरा: बघेली

फाग गाकर रंग जमाया कलाकारों ने

सेवा न्यास के कार्यकर्ताओं ने फाग गीत फगुआ गाकर उल्लास के साथ साथ नृत्य करते हुए होली खेले रघुवीरा अवध में होली खेलें रघुवीरा पर पुष्प वर्षा करते हुए फाग गाकर होली रंगों के त्यौहार को ढोलक, नगडीया, मंजीरा, वाद्य यंत्रों से फाग की जुगलबंदी की। आज ब्रज में को होली रे रसिया... गाकर उपस्थित जन झूमने लगे।

पं गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास मुख्यालय में फूलों संग खेली गई होली: संजय शाह

जल संरक्षण जागरूकता अभियान अंतर्गत सेवा न्यास कार्यालय में फूलों के संग होली खेली गई साथ ही जल बचाने के लिए जागरूकता जन अभियान को मजबूती प्रदान करने के लिए पीने के पानी के संरक्षण करने पानी को व्यर्थ न करने की शपथ ली।

होली का पर्व सौहार्द व भाईचारे से मनाया: रमाकान्त गौतम

इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाएँ एवं पुरुषों ने परस्पर अपने राग द्वेष भुलाकर एक दूसरे पर फूलों की बरसात की।इसमें जल बचत का संदेश दिया गया, जो सेवा न्यास का मुख्य उद्देश्य है। फूलों की इस होली में फाग गाने बजाने वाले लोगों को सम्मानित किया गया।

होली रे रसिया जैसे गीत पर जनता थिरक उठी। बड़ी संख्या उपस्थित लोगों ने फाग के गाने में नाचने व झूमने लगे।सतना के समीपी ग्राम डढ़िया से आयी हुई टीम ने अपनी ढोलक व नगडिया से समां बाँध दिया। होली रे रसिया जैसे बघेली गीतों ने आम लोगों का मन मोह लिया है।

बघेली गीतों के संग में महिला पुरुषों ने किया राधा कृष्ण का मनमोहक नृत्य: कृष्णा पांडेय

सेवा न्यास के निमंत्रण पर जिले भर से पधारे हुये लोगों ने एक दूसरे पर फूलों को डालकर होली का आनंद लिया। पूरा कार्यालय परिसर बघेली गीतों से गूंज उठा व नृत्य का आनंद लिया।

इनकी रही उपस्थिति

होली मिलन समारोह मे जिले भर से पधारे प्रबुद्ध जनों में से प्रमुख रूप से पूर्व पुलिस अधिकारी बी.डी. पांडे, सुधीर रिछारिया, वरिष्ठ पत्रकार संजय शाह, भाजपा जिला महामंत्री रमाकांत गौतम, शंकर दयाल त्रिपाठी, श्रीमती राजकुमारी शुक्ला, श्रीमती मनीषा सिंह, सीलम सैनी, मधु वाल्मीकि, चंदा शर्मा, नीलम कुशवाहा, आनंद पयासी, अरविंद सिंह पप्पू, राजीव व्यास, अजय मिश्रा, भाजपा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष कृष्णा पांडे, बालकृष्ण शुक्ला बेटा, शैलेंद्र त्रिपाठी, सुनील यादव, भागवत गुप्ता, विष्णु नारायण पांडे, के डी गौतम, महेन्द्र सिंह, शिवम् बडौलिया, नर्मदा प्रसाद पांडे, प्रो.जी पी. रिछारिया, राजेश त्रिपाठी नीलू, हर्ष त्रिपाठी, शुभम् बडौलिया, अनिल सैनी, नितिन मिश्रा, संजय अग्रवाल, कमलेश्वर अग्रवाल, सचिन त्रिपाठी, नीरज तिवारी, लखनलाल शुक्ला, करूणेश अनुरागी, लवकुश सिंह बघेल, शिवम् शुक्ला, ओमप्रकाश त्रिपाठी, बाबूलाल साहू, रश्मी सैनी, रामजस पटेल, राम विश्वास पटेल, सिंटू दहिया, राम सुरेश विश्वकर्मा, कुंजी अहिरवार, रामदीन साहू, अंकित सोनी सहित सेवा न्यास कार्यकर्ता

11 साल में आठवीं बार पारा 38डिग्री पार, 26 से 31 मार्च के बीच तेज गर्मी का ट्रेंड

भोपाल। राजधानी भोपाल में मार्च महीने के आखिरी दिनों में तेज गर्मी पड़ने का ट्रेंड है। वर्ष 2014 से 2023 के बीच 26 से 31 मार्च तक तेज गर्मी पड़ी है। इस बार पहले ही गर्मी का असर तेज है। पिछले 11 साल में आठवीं बार दिन का पारा 38 डिग्री के पार पहुंच गया है। इस बार आखिरी सप्ताह में बूंदाबांदी होने का भी अनुमान है। इधर, मौसम बदलने से पहले रातें भी गर्म हो गई हैं। रविवार-सोमवार की रात में पारा 22.6 डिग्री पर पहुंच गया। 24 घंटे में 2 डिग्री की बढ़ोतरी हुई।

मौसम विभाग के अनुसार मार्च महीने में गर्मी के सीजन की शुरुआत हो जाती है। इसके चलते दिन-रात के तापमान में बढ़ोतरी होने लगती है। आंकड़ों पर नजर डाले तो 30 मार्च 2021 को अधिकतम तापमान रिकॉर्ड 41 डिग्री पहुंच चुका है। वहीं, 45 साल पहले 9 मार्च 1979 की रात में पारा 6.1 डिग्री दर्ज किया गया था।

वर्ष 2014 से 2023 के बीच दो बार ही अधिकतम तापमान 36 डिग्री के आसपास रहा। बाकी सालों में पारा 38 से 41 डिग्री के बीच रहा है। इस बार भी टेम्प्रेचर 38 डिग्री के पार पहुंच गया है। 23 मार्च को पारा 38.4 डिग्री पहुंच चुका है।

बिसेंठा में गोली मारकर युवक की हत्या, मामला दर्ज

नूराबाद पुलिस ने सात नामजद लोगों के विरुद्ध की एफआईआर

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। होली के त्यौहार के दिन नूराबाद क्षेत्र के बिसेंठा गांव में आधा दर्जन से अधिक लोगों ने एक युवक पर हमला बोल दिया। हमलावरों ने लाठियों से मारपीट करने के बाद एक युवक को गोली मार दी। जिससे उसकी मौत हो गई। हमले में दो अन्य लोग जख्मी भी हुए है। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने हत्या के मामले में 7 नामजद आरोपियों के विरुद्ध धारा-302 के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

मिली जानकारी के मुताबिक बिसेंठा गांव निवासी प्रताप सिंह गुर्जर 28 पुत्र रामेश्वर सिंह गुर्जर सोमवार की शाम करीब साढ़े चार बजे अपने खेत पर था। उसके खेत पर सरसों की फसल की कटाई चल रही थी। सरसों की थ्रेसरिंग के लिए प्रताप ने थ्रेसर को बुलाया था। जिसे खेत तक लाने के लिए प्रताप रास्ता बना रहा था। इसी दौरान लालाराम पुत्र फद्दी गुर्जर, कृष्णा गुर्जर, उदयवीर, बलराम, सुरेश पुत्रगण लालाराम गुर्जर, राजवीर, प्रेमसिंह पुत्र कप्तान सिंह गुर्जर निवासीगण बिसेंठा लाठी, फरसा और बंदूकों से लैस होकर वहां आ धमके। हमलावरों ने प्रताप की लाठी, डण्डों से मारपीट करना शुरू कर दिया। प्रताप को बचाने खेत पर मौजूद दो अन्य वहां पहुंचें तो हमलावरों ने उनकी भी मारपीट कर डाली। इसी दौरान हमलावर कृष्णा ने बंदूक से फायरिंग की, जिससे गोली प्रताप गुर्जर को लगी और वह जख्मी हो गया। जिसके बाद हमलावर भाग खड़े हुए। खेत पर पहुंचें परिवारीजनों ने जख्मी प्रताप सहित दो अन्य को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां उपचार के प्रताप की मौत हो गई। जबकि दो अन्य घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस ने सभी हमलावरों के विरुद्ध धारा-302 के तहत हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

जींगनी में किसान पर बका से जानलेवा हमला

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। माताबसैया थाना क्षेत्र के जींगनी गांव में मंगलवार को एक किसान पर पड़ौस में रहने वाले युवक ने बका से प्राणघातक हमला बोल दिया। हमले में किसान को उसके सिर में गंभीर चोटें आईं है।

मिली जानकारी के मुताबिक जींगनी गांव निवासी केदार सिंह किरार 50 पुत्र प्रीतम सिंह किरार मंगलवार को खेत पर सरसों की फसल की कटाई करने के बाद अपने घर पहुंचा था। केदार अपने घर के बाहर बैठा हुआ था, तभी पड़ौस में रहने वाला मुन्ना कुशवाह और उसकी पत्नी राधा कुशवाह वहां आ धमके। मुन्ना शराब के नशे में धुत्त था, उसने केदार को गालियां देना शुरू कर दिया। केदार ने जब उसे गालियां देने से मना किया तो मुन्ना अपने घर से लोहे का धारदार बका ले आया और उसने बके से केदार के ऊपर हमला बोल दिया। जिससे केदार के सिर में घाव हो गया, केदार को लहूलुहान अवस्था में जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां इलाज के लिए उसे भर्ती किया गया है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया था।

85 हजार की शराब से भरा थ्री-व्हीलर ऑटो पकड़ा, एक आरोपी दबोचा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। देवगढ़ थाने की पुलिस ने मंगलवार को थ्री-व्हीलर ऑटो वाहन में छुपाकर ले जायी जा रही 85 हजार रूपये कीमती 17 पेटी शराब को जब्त कर लिया। पुलिस ने शराब सहित ऑटो वाहन को जब्त कर एक युवक को गिरफ्तार किया है।

मिली जानकारी के मुताबिक देवगढ़ थाना प्रभारी अरुण सिंह कुशवाह को मंगलवार को मुखबिर ने शराब के अवैध परिवहन की सूचना दी। सूचना के आधार पर थाना प्रभारी श्री कुशवाह ने अपनी टीम के साथ मिलकर एक थ्री-व्हीलर ऑटो वाहन को पकड़ा। तलाशी के दौरान ऑटो वाहन से शराब की 17 पेटियां जब्त की गई। जिसका बाजारू मूल्य 85 हजार है। पुलिस ने ऑटो को चला रहे युवक आकाश सिंह लोधी 23 पुत्र मेघसिंह लोधी निवासी वैष्णापुरम ग्वालियर को गिरफ्तार कर लिया। शराब सहित ऑटो को जब्त कर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आबकारी एक्ट की धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी अरुण सिंह कुशवाह, एएसआई राकेश गोयल, प्र.आर. चंद्रशेखर, आरक्षक विपिन सिंह, अभिषेक भदौरिया, नरेन्द्र सिंह, चंद्रवीर, आरक्षक चालक आनंद सिंह शामिल थे।

स्विच ऑन करते ही बुलट में लगी आग

मुरैना/कैलारस। कस्बे की पुरानी सब्जी मंडी में दोपहर 1 बजे अचानक एक बुलट मोटरसाइकिल में आग गई। जिससे अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने तत्काल दमकल को सूचना दी, तब कहीं जाकर आधा घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका। थाना कैलारस अंतर्गत कृष्णकांत शर्मा पुत्र केशव शर्मा निवासी ब्राह्मण धर्मशाला के पास कैलारस घर से सामान लेने बाजार आया था। बाजार से घर जाने के लिए गाड़ी स्टार्ट करने के लिए जैसे ही उसने चाबी लगाकर स्विच ऑन किया तो अचानक बुलट बाइक में आग लग गई। मौके पर मौजूद लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। दमकल वाहन ने आकर आग पर काबू पाया और एक बड़ा हादसा होने से टल गया।

तुलसी साहित्य अकादमी एवं साहित्य सभा ने किया काव्य समारोह का आयोजन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। होली के पावन पर्व पर तुलसी साहित्य अकादमी एवं साहित्य सभा मुरैना के तत्वावधान में रंगोत्सव एवं प्रहलाद भक्त व डॉ. कैलाश सुमन का जन्मोत्सव के साथ साथ काव्य समारोह का रंगारंग कार्यक्रम अभिनंदन वाटिका के सामने मुरारीलाल प्रजापति यथार्थ के निवास पर आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता सुप्रसिद्ध गीतकार डॉ. देवेन्द्र तोमर ने की। मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध व्यंग्यकार नरेश श्रीवास्तव एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में पुरातत्व अधिकारी अशोक शर्मा, डॉ. एचबी सिंह एवं प्रसिद्ध कवि महेश दत्त मिश्र कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती की अर्चन व पूजन से हुई। तत्पश्चात् सरस्वती माँ की वन्दना कवयित्री श्रीमती वर्षा श्रीवास्तव ने प्रस्तुत की। प्रसिद्ध कहानीकार एवं समीक्षक रामबरन शर्मा (सरस्वती पुत्र) ने कार्यस्त्र5म का संचालन किया। कुछ कवियों के काव्य पाठ के अंश इस तरह से हैंः-
प्रसिद्ध हास्य कवि प्रहलाद भक्त जी ने होली की शुभकामना इस तरह दई-
होली की शुभकामना देता है प्रहलाद।
हंसी खुशी आनन्द हो, मिटे अंधेरी रात।
साली मदमाती फिरे,झोरी भरें गुलाल।
जीजी भागत ही फिरे,करे रंग से लाल।
डाक्टर श्री कैलाश सुमन जी ने सुंदर घनाक्षरी यों पढ़ा -
कामिनी की कामना में, व्याधि जो वियोग की हो,
औषधि के साथ साथ भंग को पिलाइये।
धोबिया के धोबन से छूटे नहीं प्रेम रंग,
प्रीति की उपासना के रंग को लगाईये।
गोरिया के गोरे गोरे गात पे गुलाल मलि,
देह की उमंग अनुषंग को बढ़ाईये।
कटि कंचुकी कपोल इश्क की सुगंध घोल,
रोम रोम काम के अनंग को जगाईये।

होली के रंग मतदाताओं के संग थीम पर रासेयो स्वयं सेवकों ने खेली गुलाल होली

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना/अम्बाह। महात्मा लोचनदास उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अम्बाह की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा स्वीप प्लान के तहत मतदाता जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत धुलेंडी के दिन रासेयो स्वयं सेवकों ने कार्यक्रम अधिकारी विजय शर्मा के नेतृत्व में होली के रंग-मतदाताओं के संग थीम पर गुलाल होली खेली। इस दौरान स्वयं सेवकों ने आपस में तथा मतदाताओं को रंग, गुलाल लगा कर और गले मिलकर होली की शुभकामनाएं दीं और अंकल आंटी मान जाओ, 07 मई को मतदान करोगे कसम खाओ। हम सबने यह ठाना है, मतदान का प्रतिशत बढ़ाना है। युवा तुम हो देश की जान,उठो जागो करो मतदान। नर हो या नारी, मतदान है सबकी जिम्मेदारी। बूढ़े हों या जवान, सभी करें मतदान जैसे नारे लगाते हुए

शत-प्रतिशत मतदान की अपील की। इस अवसर पर रासेयो अधिकारी विजय शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान जरूरी है। इसके लिए अपनी दिनचर्या में से कुछ समय निकालकर मतदान करने अवश्य जाएं और जाति, वर्ग, धर्म लालच, भय और बिना किसी के बहकावे में आए स्वविवेक से राष्ट्रहित में मतदान करें। अंत में उन्होंने उपस्थित सभी मतदाताओं को मतदान की शपथ भी दिलाई।
इस दौरान समाजसेवी राजेश, शिक्षक मनोज शर्मा, नितिन तोमर, विपिन तोमर,आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रजनी शर्मा, महिला मण्डल सदस्य श्रीमती मीरा कैलाश, सरोज शर्मा, संगीता सुनीता, बबिता, ललिता, अर्चना एवं रासेयो स्वयं सेवक विकास तोमर, आर्यन तोमर, बिट्टू शर्मा, नितिन शर्मा, सौरभ, दिव्यांश, प्रभांशु, रितु, शैली, दीप्ति, मुस्कान मौजूद रहे।

फाग गाकर भक्तों को कराया जुहार एवं पिलाई ठंडाई

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना/पोरसा। होली भाई चारे का त्यौहार है इसमें जब फाग गया जाता है तो होली की पौराणिकता को याद किया जाता है। आज भगवान गोवर्धन गिरिराज जी महाराज के मंदिर पर भक्तों ने फाग गया गया। महंत रामकिशोर दास शास्त्री के द्वारा सभी भक्तों को जुहार कराया गया, जिसमें झार के लड्डू गुजिया नमकीन एवं ठंडाई प्रसाद स्वरूप वितरण की गई। इस फाग में महंत रामकिशोर दास शास्त्री, पंडित राम विनोद शुक्ला, पुजारी शिवकुमार दास, पुजारी संजू दास, महंत भरत दास, दामोदर दयाल शर्मा, आनंद तिवारी, ब्रजराज सिंह तोमर, गौरव मांडिल, पुजारी बृजेश कुमार शिवहरे, बृजेश गोयल, शांतेश सिंह तोमर, डॉ. सुरेंद्र सिंह तोमर, रणवीर सिंह तोमर, श्याम सुंदर वर्मा, दीपू सिंह, लाखन सिंह, रामराज सिंह भदोरिया, जोर सिंह, राधाकृष्ण गुप्ता,सहित लगभग दो सैकड़ा अधिक लोगों ने फाग गाया, तथा भगवान से देश की खुशहाली की मन्नत की अर्जी लगाई।

सीसीटीवी की मदद नहीं लेने से अपराध नहीं हो रहे ट्रेस, आमजन से पुलिसकर्मी कर रहे अभद्रता

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना/अम्बाह। नगर पालिका द्वारा शहर में घटने वाली विभिन्न घटनाओं को ट्रेस करने के लिए तमाम जगहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, किंतु उक्त कैमरो का पुलिस द्वारा सदुपयोग नहीं किया जा रहा है। जिसके चलते अपराध ट्रेस नहीं हो रहे हैं। सोमवार शाम को भारत सुपर मार्केट के सामने दारु के नशे में कुछ व्यक्तियों द्वारा एक व्यक्ति की पिटाई कर दी गई। इसी दौरान भीड़ में से किसी व्यक्ति ने उक्त घटना का वीडियो बना लिया, जिसकी सूचना अम्बाह पुलिस को दी गई। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची, मगर खानापूर्ति कर बिना किसी को पूछताछ किए वापस थाने आ गई। उक्त घटना को गंभीरता से न लेते हुए पुलिस के द्वारा सीसीटीव्ही कैमरे तक नहीं देखे

गए और ना ही उक्त लोगों के खिलाफ कोई कार्यवाही करना उचित समझा। थाने में खड़े कुछ लोगों ने जब इसकी जानकारी लेनी चाहिए तो थाने में खड़े एएसआई मुकेश राजावत ने कहा कि इन्हें ही फरियादी बना दो, इनको ज्यादा चिंता है। पिटने वाले व्यक्ति की, तब आमजन ने उक्त बात का विरोध किया और कहा कि इसी डर से पुलिस को कोई सूचना नहीं देता है। क्योंकि पुलिस सूचनाकर्ता को ही फरियादी बना देती है और उसको पूछताछ हेतु कई बार थाने बुलाकर परेशान किया जाता है। इसी वजह से साल में हजारों लोग एक्सीडेंट में मारे जाते हैं। पुलिस को सूचना देने की बजाय लोग उसको रोड पर तड़पता छोड़कर सूचना दिए बगैर चले जाते हैं। जानकारी रहे कि पुलिस के इसी रवैया के चलते उक्त कैमरे के सामने घटित तमाम घटनाओं का आज तक कोई निराकरण नहीं हो पाया है, जबकि कैमरा का कंट्रोल रूम थाना परिसर में ही स्थित है।

जिले में अवैध मदिरा आधिपत्य एवं परिवहन के 21 प्रकरण दर्ज

मुरैना। कलेक्टर अंकित अस्थाना के निर्देश पर जिला आबकारी अधिकारी जितेन्द्र सिंह गुर्जर के मार्गदर्शन में 18 मार्च 2024 से 24 मार्च, 2024 तक की अवधि में जिले में अवैध मदिरा आधिपत्य एवं परिवहन के कुल 21 प्रकरण दर्ज किये गये हैं, जिनमें मुरैना वृत में 06, अम्बाह में 08, जौरा में 04 प्रकरण एवं सबलगढ़ वृत में 03 प्रकरण पंजीबद्ध किये गये हैं। इन प्रकरणों में लगभग 16 हजार 300 रूपये की 45.74 बल्क लीटर देशी मदिरा एवं 7 हजार 400 रूपये की 17.20 बल्क लीटर विदेशी मदिरा जप्त की गई।

एंबुलेंस की टक्कर से बाइक सवार चाची-भतीजा घायल

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। बाइक पर चाची के साथ नाहरदोकी गांव से मुरैना आ रहे भतीजे को सामने से आ रही एंबुलेंस ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार दोनों चाची और भतीजे बुरी तरह जख्मी हो गए। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।
मिली जानकारी के मुताबिक नाहरदोकी गांव निवासी अरुण प्रजापति 18 पुत्र रसाल सिंह प्रजापति मंगलवार को अपनी चाची पिंकी प्रजापति (26) को साथ लेकर बाइक लेकर गांव से मुरैना में अपने रिश्तेदारों के घर जाने के लिए निकला था। दोनों चाची-भतीजे जब बाइक पर सवार होकर एनएच-552 हाईवे पर बांसी नहर की पुलिया के पास से गुजर रहे थे। तभी मुरैना से जौरा की ओर जा रहे एंबुलेंस वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। जिससे वे दोनों घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही गांव से उनके परिवारीजन मौके पर पहुंच गए, उन्होंने दोनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां उन्हें उपचार के लिए भर्ती कराया गया है।

चार सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत, पाँच घायल

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। होली के त्यौहार पर हुए तीन सड़क हादसों में दो बाइक सवारों की मौत हो गई। जबकि पांच लोग जख्मी हो गए।
मिली जानकारी के मुताबिक सत्येंद्र पुत्र वीरेंद्र सिंह सिकरवार निवासी रघुनाथपुर थाना जौरा सोमवार को अपनी बाइक से गांव जा रहा था, तभी एक कार से उसकी बाइक की भिड़ंत हो गई। इस हादसे में सतेंद्र सिकरवार बुरी तरह जख्मी हो गया, जिसे इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इधर राजस्थान से बाइक पर सवार होकर लहचौरा गांव में जा रहे सत्यप्रकाश पुत्र लक्ष्मी नारायण और घनश्याम पुत्र श्रीचंद को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में सत्यप्रकाश व घनश्याम बुरी तरह से जख्मी हो गए, जिन्हें इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्र कैलारस लाया गया। यहां से प्राथमिक उपचार के बाद

सत्यनारायण को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रैफर किया गया।

बहन के घर से लौट रहे युवक की कार की टक्कर से मौत, 3 जख्मी

एक ही बाइक पर सवार होकर सबलगढ़ में रहने वाली अपनी बहन के यहां से ग्वालियर लौट रहे चार युवकों को कार ने टक्कर मार दी। इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई, तीन लोग जख्मी हो गए। जानकारी के अनुसार सुमित रजक पुत्र डालचंद्र, राज कुशवाह पुत्र गोपाल, राहुल कुशवाह पुत्र बल्लू कुशवाह, सागर बाथम पुत्र टीकाराम बाथम सोमवार की सुबह बाइक से सबलगढ़ से ग्वालियर लौट रहे थे। कैलारस क्षेत्र में एमएस रोड स्थित रजपुरा के पास एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में सागर बाथम की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप से घायल सुमित रजक, राज कुशवाह को जिला अस्पताल रैफर किया गया है। पुलिस ने टक्कर मारने वाली कार को जब्त कर लिया है।

बाइक की टक्कर से नवयुवक की मौत

सिविल लाइन थाना क्षेत्र में सोमवार रात 8.30 बजे मुंगावली तिराहे के पास आरोपी बाइक क्रमांक एमपी06-एमवाय-8933 के चालक ने कुलदीप भदौरिया (25) निवासी लक्ष्मी दाल मिल को टक्कर मार दी, जिससे युवक की मौत हो गई। सिविल लाइन पुलिस ने फरियादी रामू सिंह भदौरिया की रिपोर्ट पर आरोपी बाइक सवार के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया है।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान करना जरूरी : ममता जैन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना/अम्बाह। लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराने को लेकर स्थानीय प्रशासन के नेतृत्व में स्वीप कार्यक्रम की टीम पूरी तरह मुस्तैद है। विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों पर विभाग द्वारा संध्या चौपाल का आयोजन कर मतदाताओं से लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान करने की अपील जा रही है।
इसी क्रम में आंगनबाड़ी केंद्र डंडोली पर स्वीप गतिविधियों के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर महिलाओं को वोट के महत्व से अवगत कराते हुए पर्यवेक्षक श्रीमती ममता जैन ने कहा कि आपका एक-एक मत लोकतंत्र की खूबसूरती का सबसे बड़ा कारक है। ऐसी स्थिति में हम सब का

यह कर्तव्य बनता है की चुनाव में हम न सिर्फ बढ़-चढ़कर अपने मताधिकार का प्रयोग करें। बल्कि इसके लिए आसपास के लोगों को भी जागरूक करने में सहायक बने। श्रीमती जैन ने बताया कि पिछले चुनाव में कम प्रतिशत वाले मतदान केंद्रों से जुड़े मतदाता इस बार ज्यादा से ज्यादा मतदान करें, इसके लिए विभिन्न स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को निर्देश दिया गया है। संध्या चौपाल में शामिल महिला मतदाताओं को जागरूक करने के दौरान यह भी बताया गया कि अगर आप वोट देते हैं, तो देश की मजबूत सरकार बनाने में आपकी भी सहभागिता रहेगी। यह एक-एक मतदाता की जागरूकता से ही संभव होगा। विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में अपने मताधिकार का प्रयोग जरूर करें। अंत में मतदान के लिए सामूहिक शपथ भी दिलाई गयी।

गौसेवक रुद्रप्रताप ने कुए से श्वान को सुरक्षित निकाला

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। थाना सिविल लाइन व नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत शिकारपुर फाटक के पास एक श्वान कुए में गिर गया, जिसकी सूचना जय बजरंग गौसेवा समिति के गौसेवक रुद्रप्रताप सिंह को गाँव के व्यक्ति अंकुश यादव व मोनू ने दी। सूचना मिलते ही गौसेवक रुद्रप्रताप सिंह ने घटना की सूचना प्रशासन को दी, लेकिन प्रशासन ने कोई मदद नहीं की। फिर गौसेवक रुद्रप्रताप ने अपनी टीम को बुलाया और वहाँ नंदकिशोर व मोहित प्रजापति होमगार्ड से रेस्क्यू का समान लेकर आए और स्थानीय लोगों से बोला कि आप

कुए में घुस जाओ लेकिन कोई कुए में नहीं घुसा और बताया कि उसमे काफी सारे साँप हैं, फिर गौसेवक रुद्रप्रताप सिंह ने हिम्मत जुटाई और कुए में घुस गए। फिर कुत्ते को पकड़कर सुरक्षित कुए से बहार निकाला। पहले भी कई बार खुले पड़े कुओं से गौसेवक रुद्रप्रताप सिंह के द्वारा कुए से गाय व कुत्ते, बिल्ली नीलगाय को निकाला जा चुका है।
रेस्क्यू करने वालों में गौसेवकों के अलावा भानुप्रताप राठौर, कल्ला,अजीत, रविंद्र, निलेश, पीयूष, रोहित राठौर, हिमांशु, प्रशांत शुक्ला, विनय दुबे, अंशु सिकरवार आदि शामिल हैं।

वर्ष 2024 के लिये मुरैना जिले के लिये तीन स्थानीय अवकाश घोषित

आज होली भाई दूज पर रहेगा स्थानीय अवकाश

मुरैना। सामान्य पुस्तक परिपत्र भाग-2 के नियम 8 तहत कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अंकित अस्थाना ने वर्ष 2024 के लिये मुरैना जिले के लिये समस्त शासकीय कार्यालयों, संस्थाओं के लिये तीन स्थानीय अवकाश घोषित किये हैं। जिनमें 27 मार्च 2024 को बुधवार होली की भाई दूज, 11 अक्टूबर 2024 शुक्रवार को महाअष्टमी, महानवमी और 01 नवम्बर 2024 शुक्रवार को दीपावली का दूसरा दिन गोवर्धन पूजा के लिये स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। यह अवकाश जिला कोषालय एवं बैंको पर लागू नहीं होगा।

होली पर भाजपा नेताओं ने गुलाल लगाकर दीं एक-दूसरे को शुभकामनायें

ग्वालियर । होली के अवसर पर सोमवार को भाजपा नेताओं ने जमकर होली खेली। इस दौरान सभी नेताओं ने कार्यकर्ताओं एवं आमजनों से मुलाकात कर उन्हें गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी उत्साह के रंगों से सरोबार नजर आए।

होली के अवसर पर भाजपा नेताओं ने कार्यकर्ताओं एवं आमजनों को शुभकामनायें देते हुये कहा कि देश की तरह प्रदेश में भी लोकतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव मनाया जा रहा है। ऐसे में उमंग, उल्लास और आपसी सद्भाव का त्योहार होली हम सब में एक नई ऊर्जा का सृजन करता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह ऊर्जा आने वाले दिनों में हम सबको मजबूत, निर्णायक और सशक्त सरकार के लिए रिकॉर्ड मतदान में नजर आएगी। मप्र विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर अपने निवास बंगला न. 29, रेसकोर्स रोड़ पर, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रभात झा अपने आवास सहयोग गोले का मंदिर सुरुचि होटल के बगल से, पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल गांधी रोड मुरार स्थित निज निवास गोविन्दबाग तथा जिलाध्यक्ष अभय चौधरी शांति नगर नई सड़क पर कार्यकर्ताओं एवं आमजनों को गुलाल लगाकर एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी।

देहात में पुलिस ने प्रभात फेरी निकालकर मतदान करने का दिया संदेश

- होली पर पुलिसकर्मियों ने श्रमदान कर वृद्धा आदिवासी का आशियाना सजाया

ग्वालियर। होली के अवसर पर देहात के हस्तिनापुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने गाँव में फेरी निकाली। फेरी के दौरान पुलिस के गीत पर आदिवासी महिलाओं ने जमकर नृत्य किया। इस दौरान पुलिस और ग्रामीणों ने श्रमदान कर एक विधवा आदिवासी महिला की झोपड़ी हटाकर उसका टीनशेड लगाकर आशियाना बनाया।

रंगों का त्यौहार जिंदगी में रंगीनियत लाता है और माहौल को सकारात्मक बनाता है लेकिन असामाजिक तत्वों व वैमनस्यता के कारण होली के पहले शांति समिति की बैठक की जाती है, ताकि होली का त्योहार आपसी भाईचारे व सद्भाव के साथ मनाया जाये। होली के अवसर पर पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह द्वारा शांति समिति की बैठक कर होली को शांतिपूर्वक ढंग से मनाने की बात कही थी। जिसके बाद हस्तिनापुर थाना क्षेत्र में शांति समिति के सदस्यों ने पुलिस के साथ मिलकर हस्तिनापुर के आदिवासी बस्ती में एक बुजुर्ग विधवा आदिवासी महिला कोमल बाई पत्नी देवी सिंह आदिवासी उम्र 80 वर्ष निवासी हस्तिनापुर की झोपड़ी हटाकर वहां टीनशेड लगाया गया। कोमल बाई नाती पोतों के सहारे एक झोपड़ी में रहकर जीवन यापन कर रही है। पुलिस अधिकारी मौके पर पहुँचे तो उसकी दयनीय स्थिति थी वो जिस झोपड़ी में रह रही थी वो टूटी हुई थी। पुलिस ने होली के दूसरे दिन जब पुलिस की होली खेली जाती है मौके में पहुँचे अपने हाथों के गैंती फावड़ा लेकर गड्ढे खोदे और पिलर गाड़े। उसके बाद मौके पर एसडीओपी संतोष पटेल व हस्तिनापुर की पुलिस ने अपने हाथों से टीन शेड लगाया व अगल बगल लकड़ी की टटिया बनाकर ग्रीन नेट से सजाया। वहीं ग्वालियर के समाजसेवी ऋषभ यादव ने अम्मा के लिए गद्दा, रजाई व कुर्सी दिये।

उधर हस्तिनापुर थाने से रंगो की फेरी निकली जिसमें पुलिस के साथ गाँव वाले ढोल बाजे के साथ आये। एसडीओपी बेहट संतोष पटेल ने चुनाव जागरूकता गीत गाया जिसके बोल थे- रंग गुलाल लगाना है, वोट डालने जाना है। वोट डालना बहुत जरूरी, वोट के बिन जिंदगी अधूरी। लोकतंत्र का जश्न मनाना है-वोट डालने जाना है। पुलिस की वर्दी पहनने के बाद मानवता के रंग दिखाने वाली टीम के कप्तान थाना प्रभारी राजकुमार राजावत के साथ कदम से कदम मिलाकर खाकी का सम्मान बढ़ाने वाले सउनि वीर सिंह, हवलदार मनोज, वकील सिंह, आरक्षक सुनील परिहार,देशराज,धर्मेंद्र पवैया, राघवेंद्र सिंह, नरेंद्र सिंह, शिवम सिंह, रघुवंशी राठौर, सर्वेश गुप्ता, नागेश शर्मा, सत्येंद्र धाकड़ की सराहनीय भूमिका के लिए सभी ने तारीफकी।

कामकाजी महिलाओं व उनके बच्चों के साथ मनाया होली का पर्व

ग्वालियर। श्री परशुराम सर्व ब्राह्मण संघ के राष्ट्रीय संगठन मंत्री गौरव तिवारी के संयोजन में सिरोल बस्ती के पास कामकाजी महिलाओं एवं उनके बच्चों को गुलाल और मिठाई बांटकर होली का पर्व मनाया।

संघ की राष्ट्रीय महामंत्री मधु भार्गव ने कहा कि आज भारत में रहने वाले लोग आर्थिक आधार पर समान नहीं है, कई लोग हजारों रुपयों का अपव्यय कर त्यौहार मानते हैं तो कुछ लोग अपने बच्चों के लिए वो जरूरत की वस्तुएं भी नहीं दे पाते, जिनसे बच्चों के चेहरे मुस्करा उठें। सर्व ब्राह्मण महासंघ के युवा जिलाध्यक्ष कपिल भार्गव ने कहा कि किसी भी तीज त्योहार का महत्व तभी सार्थक होता है। जब समाज का प्रत्येक बच्चा हंसता, मुस्कराता और किलकारी मारता हुआ दिखे। उन्होंने कहा कि किसी भी जाति, धर्म एवं संप्रदाय का बच्चा हो, उसके चेहरे पर मुस्कान लाना हमारा नैतिक दायित्व

होना चहिए। इस अवसर पर मनोज दुबे, हेमा भार्गव, धीरेंद्र चौबे, आदित्य भार्गव, सूर्यकांत अग्निहोत्री, मधु भार्गव, कपिल भार्गव आदि लोग उपस्थित थे।

पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

ग्वालियर। आगामी लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हों, इसके लिये पुलिस ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। लोकसभा चुनाव में असामाजिकतत्व विघ्न, बाधा उत्पन्न न कर सकें इसके लिये पुलिस ने उनमे भय पैदा करने के लिये मंगलवार को फ्लैग मार्च निकाला। मंगलवार को कंपू थाना पुलिस द्वारा निकाले गये फ्लैग मार्च में थाना पुलिस के साथ ही सुरक्षा बलों के जवान भी उनके साथ थे।

चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को जमा करनी होगी निक्षेप राशि

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। लोकसभा चुनाव लड़ने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को नाम-निर्देशन पत्र के साथ 25 हजार रूपये की निक्षेप या जमानत राशि जमा करनी होगी, लेकिन यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति वर्ग का है, भले ही वो अनारक्षित निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहा है तो उसे इसका आधा यानि 12 हजार 500 रूपये की राशि जमानत के रूप में नाम-निर्देशन पत्र के साथ जमा करनी होगी।

भारत निवार्चन आयोग के निर्देशानुसार लोकसभा का चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार को जमानत राशि रिटर्निंग अधिकारी के पास अथवा भारतीय रिजर्व बैंक या सरकारी खजाने में चालान भरकर जमा करना होगी। उसे चालान या रसीद की मूल प्रति नामांकन पत्र के साथ रिटर्निंग अधिकारी को नाम-निर्देशन पत्र के साथ प्रस्तुत करना होगी। उम्मीदवार द्वारा निक्षेप राशि ऑनलाईन भी जमा कराई जा सकेगी। आयोग के मुताबिक कोई भी उम्मीदवार एक निवार्चन क्षेत्र से नामांकन पत्र के चार सेट रिटर्निंग अधिकारी को प्रस्तुत कर सकता है। लेकिन उसे जमानत या निक्षेप राशि जमा करने की मूल रसीद नामांकन पत्र के पहले सेट के साथ ही रिटर्निंग अधिकारी को प्रस्तुत करनी होगी। यदि कोई उम्मीदवार एक साथ दो निवार्चन क्षेत्रों से भी चुनाव लड़ता है तो ऐसी स्थिति में उसे दोनों निर्वाचन क्षेत्रों के लिए अलग-अलग निक्षेप राशि रिटर्निंग अधिकारी को प्रस्तुत करनी होगी। उम्मीदवार को नामांकन नवीन कलेक्ट्रेट भवन मुरैना के कक्ष क्रमांक 188 में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर अंकित अस्थाना को जमा कराना होगा।

प्रचार-प्रसार के लिये वाहन का सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना उपयोग नहीं कर सकेंगे

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। लोकसभा निर्वाचन, 2024 को ध्यान में रखते हुये जिले में आचार संहिता लागू हो चुकी है। निर्वाचन के दौरान कानून व्यवस्था एवं जिले में लोक शांति बनाये रखने के लिये बिना अनुमति के प्रचार-प्रसार वाहन आदि पर प्रतिबंध जिला दण्डाधिकारी अंकित अस्थाना ने लगा दिया है। लोकसभा निर्वाचन के कारण राजनैतिक पार्टियों द्वारा आये दिन समूह को एकत्रित कर आमसभाओं, नुक्कड़ सभाओं का आयोजन किया जाना है। राजनैतिक जुलूसों, सभाओं, प्रचार-प्रसार को दृष्टिगत रखते हुये लोकशांति बनाये रखने के लिये दण्ड प्रक्रिया संहिता धारा 144 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। जारी आदेश में कहा गया है, कि कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह इस आदेश के जारी होने के तत्काल प्रभाव से किसी भी प्रकार के प्रचार-प्रसार के लिये वाहन का बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति उपयोग नहीं करेगा। कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह इस आदेश के जारी होने के तत्काल पश्चात् बिना अनुमति के वाहन पर झण्डे, वैनर लगाकर नहीं चलेगा। कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह इस आदेश के जारी होने के पश्चात् बिना अनुमति वाहन पर प्रचार सामग्री लेकर नहीं चलेगा। यह निषेधाज्ञा चुनाव सम्पन्न होने तक मुरैना जिले में प्रभावशील रहेगी।

उम्मीदवार को शपथ पत्र के सभी कॉलम भरना होगा

विदेश में स्थित चल-अचल संपत्ति का ब्यौरा भी देना होगा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार को प्रारूप 26 में शपथ पत्र प्रस्तुत करना होगा। चुनाव आयोग के निर्देशानुसार शपथ पत्र में उम्मीदवार के नाम पर विदेश में कोई संपत्ति है तो विदेश में जमा राशि, अपनी चल अचल संपत्ति का ब्यौरा भी देना अनिवार्य है। शपथ पत्र में उसे अपना पेन नम्बर भी देना होगा। यह शपथ उसे पब्लिक नोटरी या ओथ कमिश्नर अथवा प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट के समक्ष लेनी है। शपथ पत्र का कोई कॉलम भी खाली नहीं छोड़ना है।

शपथ पत्र नामांकन की अंतिम तिथि के दिन 3 बजे तक जमा किया जा सकता है। माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय अनुसार यदि कोई अभ्यर्थी शपथ पत्र में कोई भी कॉलम खाली छोड़ता है एवं इस आशय की जानकारी यदि रिटर्निंग अधिकारी ने सूचना द्वारा अभ्यर्थी को दे दी है एवं इस सूचना उपरांत भी अभ्यर्थी अपने शपथ पत्र में कॉलम पूर्ण नहीं भरता या निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदत्त चैक लिस्ट अनुसार नया शपथ पत्र निर्धारित समयावधि में प्रस्तुत नहीं करता तो ऐसी स्थिति में उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार अभ्यर्थी का नाम-निर्देशन पत्र निरस्त कर दिया जाएगा। राजनैतिक दलों को अवगत कराया है कि अभ्यर्थी नामांकन प्रस्तुत करते समय अपने शपथ पत्र में कोई भी कॉलम रिक्त न छोड़े। यदि किसी कॉलम में कोई जानकारी निरंक है तब वहां 'शून्य' या 'लागू नहीं होता' लिखा जाना चाहिए।

पेम्पलेट्स, पोस्टर, पर्चे आदि प्रिंट सामग्री पर मुद्रक एवं प्रकाशक का नाम और पता होना जरूरी, उल्लंघन करने पर होगी कार्यवाही

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशानुसार पेम्पलेट्स, पोस्टर्स, पर्चे आदि प्रचार अथवा प्रिंट सामग्री पर मुद्रक एवं प्रकाशक का नाम और पता लिखा जाना अनिवार्य होगा। प्रकाशित सामग्री की प्रतियां निर्वाचन कार्यालय में भी जमा की जाना होगी। प्रिंट सामग्री में संख्या भी अंकित करना होगी। उल्लघंन पाये जाने पर संबंधितों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। इसमें 06 माह तक का कारावास, 2 हजार रूपये तक का जुर्माना अथवा दोनों से दंडित किये जाने का प्रावधान है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 की धारा-127 (क) और भारत निर्वाचन आयोग द्वारा इस संबंध में जारी किये गये दिशा-निर्देशों की जानकारी दी गई।

जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित अस्थाना ने बताया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 की धारा-127 (क) और भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशों को अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित किया जाये। पालन नहीं होने पर संबंधितों के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। निष्पक्ष निर्वाचन के लिए यह अनिवार्य है, कि सभी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रिंट एवं प्रचार सामग्री में मुद्रक एवं प्रकाशक का नाम, पता, प्रसारित की जाने वाली सामग्री की संख्या अनिवार्य रूप से अंकित करें। प्रकाशित सामग्री की प्रतियां जिला निर्वाचन कार्यालय तथा व्यय लेखा शाखा में जमा करना जरूरी होगा। मुद्रित एवं प्रकाशित सामग्री के आधार पर खर्चा प्रत्याशी के व्यय लेखा में जोड़ा जायेगा। कोई भी प्रकाशक एवं मुद्रक ऐसी सामग्री प्रकाशित नहीं कर सकेगा जिससे कि आचार संहिता का उल्लघंन होता हो। समाज में घृणा फैलाने, धार्मिक भावनाओं को भड़काने सहित अन्य आपत्तिजनक सामग्री किसी भी हाल में प्रकाशित नहीं की जाये। निर्धारित प्रारूप में जिला निर्वाचन कार्यालय को जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिये गये हैं।

जिले के सर्किट, रेस्ट हाउस तत्काल प्रभाव से अधिग्रहित

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। लोक सभा निर्वाचन 2024 के लिए आदर्श आचार संहिता के प्रभावशील होने पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित अस्थाना ने जिले के सर्किट, रेस्ट हाउस को तत्काल प्रभाव से अधिग्रहित किया है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 160 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये निर्वाचन प्रक्रिया समाप्त होने तक की अवधि के लिये विश्राम गृह, सर्किट हाउस को (मय सामग्री एवं संलग्न स्टाफ) के अधिग्रहित किया है।

विश्राम गृह लोक निर्माण विभाग सबलगढ़, विश्राम गृह लोक निर्माण विभाग कैलारस, विश्राम गृह लोक निर्माण विभाग जौरा, गांधी आश्रम जौरा, खादी ग्रामोद्योग रेस्ट हाउस जौरा, समर हाउस 5वीं बटालियन मुरैना, सर्किट हाउस लोक निर्माण विभाग मुरैना, विश्राम गृह सिंचाई विभाग मुरैना, विश्राम गृह बीएसएनएल मुरैना, देवरी विश्राम गृह एबी रोड़ मुरैना, विश्राम गृह लोक निर्माण विभाग सिहोनिया, विश्राम गृह लोक निर्माण विभाग अम्बाह, विश्राम गृह लोक निर्माण विभाग पोरसा के कक्ष शामिल है। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि संबंधित विभाग इन विश्राम गृहों को अच्छी स्थिति में रखने के लिये जिम्मेदार रहेंगे।

क्रोध काबू में तो स्वर्ग हथेली में: विश्रेय श्री

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में विराजमान जैन साध्वी विश्रेय श्री माताजी ने मंगलवार को श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि गुस्सा करके इंसान नरक में और क्षमा करके इंसान स्वर्ग में जाता हो वह अलग बात हैं, किंतु सत्य यह हैं कि गुस्सा स्वयं ही साक्षात नरक है और क्षमा स्वयं ही साक्षात स्वर्ग है। जो स्वयं से गलती हो जाने पर माफी मांग लेता है और जो औरों से गलती हो जाने पर माफ कर देता है वह दुनिया का सबसे बड़ा धर्मात्मा है। उन्होंने कहा कि स्वर्ग उनके लिए है जो अपने गुस्से को अपने काबू में रखते हैं तथा दूसरों की गलतियों को माफ कर देते हैं और ईश्वर उन्हीं लोगों से प्यार किया करते हैं जो औरों के प्रति दयालु और करुणाशील होते हैं।।

विश्रेय श्री माता जी ने कहा कि संसार त्यागकर संत बनने में एक घंटा लगता है, पर क्रोध त्यागकर संत बनने में तीस साल भी कम पड़ जाते हैं। याद रखें, कपड़े बदलकर संत बनना सरल है, पर स्वभाव बदलकर संत बनना ही असली साधुता है। जो संत बनकर भी स्वभाव को न सुधार पाया समझो वह गृहस्थ ही रह गया, पर जिसने गृहस्थ में भी स्वभाव को शांत बना लिया समझो उसने संत बनने का सौभाग्य प्राप्त कर लिया। उन्होंने कहा कि हमारे प्रवचनों में लोग इसीलिए आते हैं क्योंकि हम लोगों को बाहर से नहीं भीतर से संत बनाते हैं जिसके चलते उनका अगला नहीं, अपितु यही जन्म स्वर्ग बन जाता है।

ट्रक में गांजा लेकर आए तीन तस्कर पकड़े

ग्वालियर। उड़ीसा से बल्लियां भरकर बल्लियों से भरे ट्रक में गांजा लेकर आये तीन तस्करों को क्राईम ब्रांच व महाराजपुरा थाना पुलिस ने नेषनल हाइवे 44 से पकड़ा है। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर उसमे रखा लगभग 3 लाख रूपये का गांजा जब्त किया है। पुलिस तस्करों से पूछताछ कर रही है।

एएसपी अपराध आयुष गुप्ता ने बताया कि उन्हें मुखबिर जरिये सूचना मिली थी कि नेषनल हाइवे 44 की तरफ से एक ट्रक क्रमांक आर.जे.11-जीसी-7606 आ रहा है उसमे अवैध मादक पदार्थ गांजा रखा है। वह ग्वालियर की तरफआ रहा है। सूचना मिलते ही उन्होंने थाना प्रभारी क्राईम ब्रांच अजय सिंह पंवार एवं थाना प्रभारी महाराजपुरा धर्मेन्द्र सिंह यादव को कार्रवाई के लिये निर्देषित किया। इसके बाद पुलिस टीम ने भिण्ड रोड़ पर बने चेकिंग प्वाइण्ट पर आने-जाने वाले वाहनों की चेकिंग करना प्रारंभ किया। रात्रि में पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा वाहनों की चेकिंग की जा रही थी इसी दौरान नेशनल हाइवे 44 की तरफसे एक ट्रक आता दिखा, चेकिंग प्वाइंट देखकर ट्रक चालक ने अचानक से अपने ट्रक को बैक कर वापस ले जाने का प्रयास किया। ट्रक को बैक होता देख पुलिस को संदेह हुआ जिसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर ट्रक को पकड़ लिया। ट्रक में लकड़ियों की बल्लियां भरी हुई थी। जबकि ट्रक की केबिन में पीछे वाली सीट के नीचे बॉक्स में खाकी कलर के टैप से लिपटे 6 पैकेट गांजा के मिले। जिनका वनज 30.845 किलोग्राम पाया गया। पुलिस ने मौके से ट्रक चालक रवि पुत्र भूरे खान निवासी ग्राम कासिमपुर तहसील खेरागढ़ थाना जगनेर जिला आगरा सहित राहुल शर्मा पुत्र प्रकाश शर्मा निवासी ग्राम कासिमपुर तहसील खेरागढ़ थाना जगनेर जिला आगरा एवं अफ्सर अली पुत्र शाविर अली निवासी ग्राम कासिमपुर तहसील खेरागढ़ थाना जगनेर जिला आगरा को हिरासत में लेकर जब पूछताछ की तो आरोपियों ने बताया कि वह उड़ीसा से ग्वालियर गांजा खपाने के इरादे से आये थे। पकड़े गये गांजे की कीमत लगभग तीन लाख रूपये है। पुलिस आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर उनसे पूछताछ कर रही है।

स्वामित्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए श्रीसिद्धीविनायक प्रिन्टर्स, 26 बी, प्रेस कॉम्पलेक्स जोन -1 एम.पी. नगर भोपाल मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं 5-अपूर्वा एन्क्लेव, अयोध्या बाईपास, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। आर.एन.आई नं. MPHIN/2007/18768
संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे 94251-26060, संयुक्त संपादक- नीरज शिवहरे 9827359400, सहायक संपादक- संजय माकवे 9425375149, भोपाल कार्यालय- 5 अपूर्वा एन्क्लेव, अयोध्या बाईपास, भोपाल सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय होगा।